सुविचार

प्रत्येक कार्य अपने समय पर होता है, जैसे पौधों में फूल और फल अपने समय पर आते हैं।

RNI : RAJHIN13216/2005

दैनिक
गरीबों का सितारा

।। दशकों पुराना साथ।। ||| निष्पक्ष कलम ✎ निर्भीक आवाज

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार" | हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com | हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

वर्षः 17 | अंकः 230 | पेजः 8 | मूल्य 01 रु. | जयपुर, रविवार 12 मार्च, 2023 | Email: garibonkasitara@gmail.com

गहलोत से मिली वीरांगनाएं बोलीं- देवर को नौकरी वाहियात मांग

मुख्यमंत्री बोले : वीरांगना या उसके बच्चों के अलावा दूसरे रिश्तेदार को नौकरी नियमों में नहीं

गरीबों का सितारा

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शनिवार को शेखावाटी और मारवाड़ इलाके से कई वीरांगनाएं मिलने पहुंचीं। सीएम से मिलने के बाद उन्होंने मीडिया से भी बातचीत की। पुलवामा शहीदों की तीन वीरांगनाओं को जबरन धरने से उठाने और सांसद किरोड़ी लाल मीणा के साथ हुई पुलिस बदसलूकी के मुद्दे पर सियासी वार पलटवार का दौर शुरू हो गया है। सीएम अशोक गहलोत ने शनिवार को सीएम हाउस पर शेखावाटी और मारवाड़ क्षेत्र से आई वीरांगनाओं से मुलाकात की। गहलोत ने वीरांगनाओं और उनके बच्चों से बातचीत की। सीएम से मिलने वाली वीरांगनाओं ने शहीद की पत्नी और बच्चों के अलावा दूसरे रिश्तेदार को नौकरी नहीं देने की पैरवी की। शहीद हवलदार रमेश कुमार डागर की पत्नी कुसुम ने कहा- देवर को नौकरी देने की मांग गलत ही नहीं वाहियात है। धरना देने वाली वीरांगनाओं की यह मांग नाजायज है। शहीद के बच्चों की जगह दूसरे पारिवारिक सदस्यों के लिए नौकरी की मांग के दुष्परिणाम दूसरी वीरांगनाओं को भी झेलने पड़ते हैं। अनुचित मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन से सभी वीरांगनाओं की छवि प्रभावित होती है।

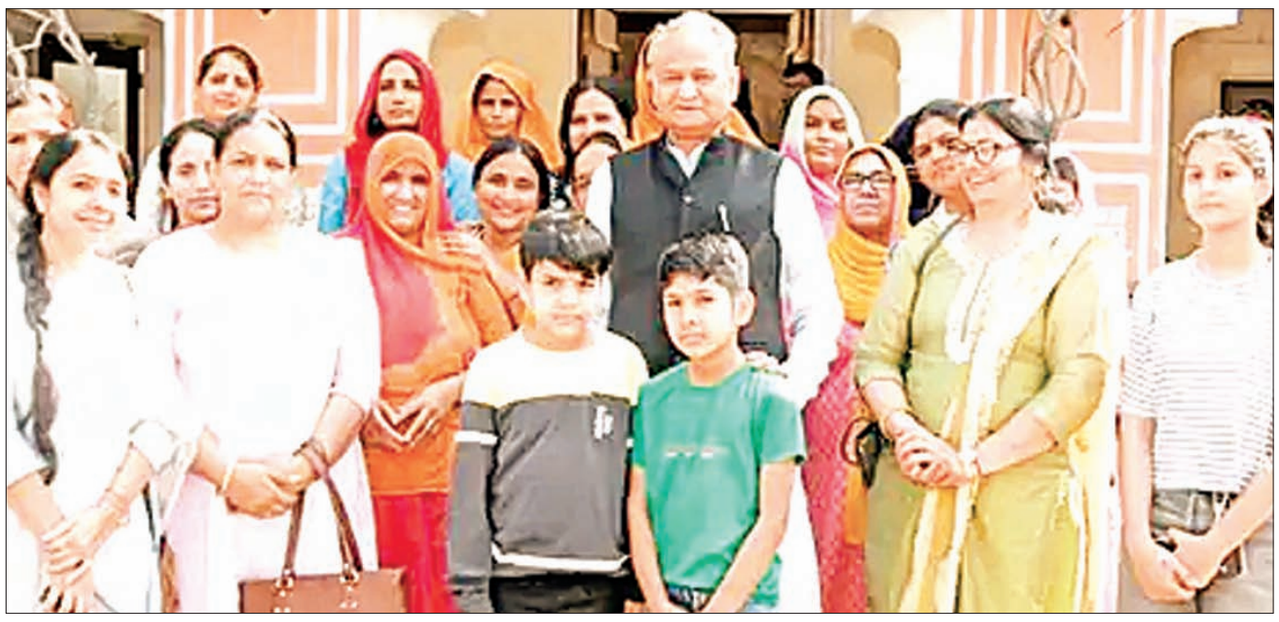

गहलोत बोले- शहीद की पत्नी-बच्चों के अलावा नौकरी का नियमों में प्रावधान नहीं

गहलोत ने कहा कि शहीदों से जुड़े मामलों का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। वीरांगना या बच्चों के अलावा परिवार के किसी अन्य सदस्य को नौकरी देने का प्रावधान नियमों में नहीं है। यह मांग सही नहीं है। इससे भविष्य में वीरांगनाओं को अनुचित पारिवारिक और सामाजिक दबाव झेलना पड़ सकता है। जयपुर में शहीदों की पत्नियों से बदसलूकी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर पथराव कर दिया। कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय से निकले तो पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया।

किरोड़ी बोले- वीरांगनाओं से राजनीति करते सीएम को शर्म नहीं आई?

वीरांगनाओं से सीएम की मुलाकात पर सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने गहलोत पर निशाना साधा। किरोड़ी ने ट्वीट किया- वीरांगनाओं का अपमान करने वाले गहलोत आज वीरांगनाओं से मुलाकात कर रहे हैं। आपके द्वार पर 10 दिनों तक आपसे मिलने की गुहार लगाने वाली भूखी-प्यासी वीरांगनाएं क्या आपको दिखाई नहीं दीं? वीरांगनाओं के साथ राजनीति करते हुए जरा भी लज्जा नहीं आती आपको? किरोड़ी ने आगे लिखा- क्या मंजू जाट, सुंदरी गुर्जर, मधुबाला मीना वीरांगना नहीं हैं? मंजू जाट को आपने किडनैप कर रखा है। आप उसके साथ ऐसा बर्ताव क्यों कर रहे हो? गहलोत वीरांगनाओं के साथ फोटो तो खिंचवा लो पर मंजू जाट के सवालों का उत्तर भी तो दो।

शहीदों के आश्रितों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार के लिए शहीदों और वीरांगनाओं का सम्मान सर्वोच्च है। राज्य सरकार शहीदों के आश्रितों को नियमानुसार सरकारी नौकरी देती रही है। भविष्य में भी नियमों की पालना की जाएगी। शहीदों के आश्रितों के साथ किसी तरह का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। गहलोत ने कहा कि पहले के कार्यकाल में शहीदों के लिए कारगिल पैकेज लागू किया था। इस पैकेज के तहत वर्तमान में शहीदों के परिवार के लिए 25 लाख रुपए, 25 बीघा जमीन, हाउसिंग बोर्ड से मकान, और मकान नहीं लेने पर अतिरिक्त 25 लाख रुपए, वीरांगनाओं या उनके बच्चों के लिए नौकरी, गर्भवती वीरांगनाओं के बच्चों के लिए नौकरी सुरक्षित करने का प्रावधान है। साथ ही शहीद के माता-पिता के लिए 5 लाख रुपए की एफडी. करवाने, शहीदों की प्रतिमा लगाने और किसी एक सार्वजनिक स्थल का शहीदों के नाम से नामकरण करने के प्रावधान भी किए गए थे।

वीरांगनाओं के आंदोलन पर उठाए सवाल

शहीद हवलदार श्याम सुंदर जाट की पत्नी कृष्णा जाट ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से नौकरी पाने का अधिकार केवल शहीद के बच्चों को हैं। वीरांगनाओं की ओर से देवर, जेठ या अन्य पारिवारिक सदस्यों को नौकरी दिलाने के लिए आंदोलन करना गलत है। इस मामले में राज्य सरकार का रुख संवेदनशील और सही है। शहीद लांस नायक मदन सिंह की पत्नी प्रियंका कंवर और शहीद हवलदार होशियार सिंह की पत्नी नमिता रामावत ने भी वीरांगना और बच्चों के स्थान पर अन्य रिश्तेदारों को नौकरी दिलाने के लिए धरना-प्रदर्शन को गलत ठहराया।

5 लोगों की आईडी देने पर ही होगा अंतिम संस्कार: एक महिला की हत्या से बदले क्रियाकर्म के नियम

गरीबों का सितारा

जयपुर। एक महिला की हत्या के बाद अब जयपुर नगर निगम हेरिटेज को अपना नियम बदलना पड़ा है। जयपुर में अब श्मशान और कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार या सुपुर्द ए खाक करने के लिए पांच लोगों की आईडी देनी पड़ेगी। इसमें मृतक की आईडी भी शामिल होगी। ये पांच लोग वे होंगे, जो अंतिम संस्कार में शामिल हुए। जयपुर नगर निगम हेरिटेज ने 8 मार्च को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। ये आदेश बीकानेर के चर्चित मोनालिसा हत्याकांड के बाद जारी किए गए हैं। इसके लिए पिछले दिनों बीकानेर के एडिशनल एसपी अमित कुमार ने जयपुर कलेक्टर को लेटर भी लिखा था। नगर निगम जयपुर हेरिटेज के कमिश्नर विश्राम मीणा ने बताया कि जयपुर शहर में संचालित श्मशान और कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार के बाद कई मृतकों का रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है। इससे गलत काम और मृतकों की सही जानकारी नहीं मिल पाती है। इसके अलावा यहां लकड़ी बेचने या अन्य क्रियाकर्म का सामान बेचने वालों का भी रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। उन्होंने बताया कि अब अंतिम संस्कार के लिए लाए जाने वाले मृतक व्यक्ति की पहचान के लिए उसकी आईडी के साथ ही अंत्येष्टि में शामिल होने वाले कम से कम 5 लोगों की आईडी देना जरूरी होगा।

अभी केवल दो आईडी लेते हैं

वर्तमान में जयपुर शहर के श्मशान और कब्रिस्तान में लाए जाने वाले मृतक की आईडी के अलावा उसके किसी एक परिजन की आईडी ली जाती थी। ताकि उसका डिटेल डेथ सर्टिफिकेट के आवेदन पत्र में भरकर नगर निगम भिजवाया जा सके। अब नगर निगम ने 5 अन्य लोगों की आईडी भी लेने के निर्देश दिए हैं।

15 दिन बाद कम होने लगेंगे H3N2 के केस

विशेषज्ञ बोले- गर्मी बढ़ने के साथ ही कम हो जाएगा वायरस का असर

गरीबों का सितारा

जयपुर। राजस्थान समेत देश के अन्य शहरों में इन दिनों खांसी-बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। इसके पीछे विशेषज्ञ ल्३ठ2 वायरस का प्रकोप मान रहे हैं। हैल्थ सेक्टर से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान में मौसम में जो उतार-चढ़ाव हो रहा है। उसकी वजह से ये बढ़ रहा है, लेकिन 12-15 दिन बाद जब उतार-चढाव की स्थिति कंट्रोल हो जाएगी। गर्मी बढ़ेगी उसके साथ ही ये वायरस भी कमजोर होने लगेंगे। एसएमएस हॉस्पिटल के डॉक्टरों का कहना है कि सर्दी से गर्मी और गर्मी से सर्दी की तरफ जब मौसम जाता है तो अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शनस, कॉमन कोड के केस बढ़ जाते हैं। इस वक्त जिस तरह का मौसम चल रहा है। कभी बारिश से तापमान गिर रहा है, कभी तेज गर्मी हो रही है। उसमें ये वायरस तेजी से एक्टिव होते है। यूआरआई में कई तरह के वायरस होते हैं, इसमें सबसे कॉमन इन्फ्लुएंजा होता है। ल्३ठ2 भी इसी का एक हिस्सा है। इन्हीं मौसम में एलर्जी के केस भी बढ़ते हैं। इससे अस्थमा-एजर्ली के मरीजों को भी परेशानी बढ़ती है। ये सब कुछ समय के लिए चलता है।

जयपुर में अधिकारी पर दुकान मालिक ने कुत्ता छोड़ा

हाथ नोंच खाया, करनी पड़ेगी सर्जरी; डॉग शॉप पर कार्रवाई करने गई थी नगर निगम टीम

गरीबों का सितारा

जयपुर। जयपुर में डॉग का सामान बेचने वाली शॉप पर कार्रवाई करने गए नगर निगम के कर्मचारियों पर दुकान मालिक ने पालतू कुत्ता छोड़ दिया। कुत्ते ने राजस्व अधिकारी के हाथ को नोंच खाया। घायल अधिकारी को चिरायु हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।उधर, डॉग शॉप को सील कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि निवारू रोड करधनी निवासी रणजीत सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि वह नगर निगम ग्रेटर (जोन-झोटवाड़ा) में कनिष्ठ सहायक हैं। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त की ओर से 21 फरवरी को भान नगर क्वींस रोड स्थित डॉग का सामान बेचने वाली शॉप पर कार्रवाई के आदेश जारी हुए थे। जयपुर नगरीय विकास कर (87 हजार रुपए) बकाया होने पर झोटवाड़ा जोन

राजस्व शाखा की टीम 26 फरवरी की दोपहर करीब 12 बजे कुर्क की कार्रवाई करने गई।

जान-बूझकर कुत्ते को छोड़ा

रणजीत सिंह ने बताया कि डॉग शॉप को सील करने 15 सदस्यों की टीम राजस्व अधिकारी परमवीर दुलार के साथ पहुंची थी। शॉप मालिक ने टीम का विरोध करते हुए अपने चार-पांच परिचितों को बुला दिया। टीम की ओर से शॉप में मौजूद डॉग को निकालकर खाली करने की कहा गया। शॉप मालिक सहित उनके परिचितों ने विरोध करना शुरू कर दिया। इसके बाद शॉप में मौजूद 5 डॉग और 2-3 बिल्लियों को बाहर निकलवाया गया। रणजीत सिंह ने बताया- इस दौरान शॉप मालिक के साथ खड़ा लड़का एक खतरनाक कुत्ते को लेकर दरवाजे पर खड़ा हो गया। डॉग को मास्क लगाकर बाहर ले जाने का कहने पर विरोध करते रहे। इसके बाद जान-बूझकर डॉग को छोड़ दिया। डॉग ने अटैक कर राजस्व अधिकारी परमवीर दुलार का हाथ काट लिया। शॉप मालिक सहित अन्य को कहने पर बड़ी मुश्किल से डॉग को काबू किया गया।

राजस्थान में 3 दिन बारिश और ओले : जयपुर, जोधपुर, अजमेर संभाग में फिर बदलेगा मौसम

गरज-चमक के साथ बरसात का अलर्ट

गरीबों का सितारा

जयपुर। राजस्थान में फिर से पारा चढ़ने लगा है। बीकानेर सहित कई जिलों में दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है। जयपुर, उदयपुर सहित कई अन्य जिलों में पारा 1 से 2 डिग्री तक चढ़ा है। मौसम विभाग ने शनिवार से 13 मार्च तक गर्मी बढ़ने की आशंका जताई है। 14 मार्च से राजस्थान के कुछ इलाकों में बारिश की भी संभावना है। पिछले दिनों राजस्थान में बारिश और ओलावृष्टि के बाद मौसम ने कर-वट ली थी। दिन में गर्मी से राहत मिली थी। तापमान में गिरावट के कारण सुबह-शाम ठंड महसूस होने लगी थी। शुक्रवार से इसका असर खत्म होने लगा है। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, फलौदी, जालोर में शुक्रवार दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक आ गया था। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, शुक्रवार को सबसे ज्यादा 37 डिग्री सेल्सियस तापमान जोधपुर के फलौदी में दर्ज हुआ। बाड़मेर में भी दिन का अधिकतम तापमान 36.5 पर पहुंच गया। उदयपुर, धौलपुर, टोंक, बूंदी, बारां, करौली, अलवर, जयपुर में भी दिन का तापमान 1 से 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। कल इन जिलों में 30 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर तापमान चला गया था। हालांकि रात का तापमान अभी कम है। इससे लोगों को रात में हल्की ठंड का अहसास रहता है। अलवर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पिलानी, सीकर, उदयपुर में बीती रात न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। मार्च के शुरू में इन शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 16 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच था।

पूर्वानुमान>	रवि	सोम	मंगल	बुध
25° अधिकतम>	30°c	30°c	33°c	32°c
न्यूनतम>	15°c	18°c	14°c	18°c

आमजन के जायज कार्यों में शिथिलता बरतने पर होगी सख्त कार्रवाई : अधिकारिता मंत्री

गरीबों का सितारा

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आमजन के जायज कार्यों में लापरवाही सामने आने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जावेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप संवेदनशीलता के साथ आमजन के कार्य त्वरित गति से निस्तारित किये जाएं। मंत्री श्री जूली ने अलवर सर्किट हाउस में मालाखेडा व अलवर उपखण्ड क्षेत्र के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की फ्लैगशिप योजनाओं, विकास कार्यों आदि की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि मनरेगा योजना के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार के साथ-साथ विकास कार्यों को गति दी जाए तथा सभी ग्राम पंचायतों में ये कार्य निरन्तर जारी रहें। इस हेतु कार्यों की स्वीकृति त्वरित गति से करावे। मनरेगा

से मॉडल खेल मैदान एवं मॉडल तालाब व एनिकेट विकसित करावें। कार्य स्वीकृति में लापरवाही बरतने वाले ग्राम विकास अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने विद्युत विभाग के सहायक अभियन्ताओं को निर्देशित किया कि विद्युत ट्रिपिंग नहीं होवे इसके लिए पुख्ता व्यवस्था करे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देश दिये कि स्वीकृत कार्यों को यथाशीघ्र पूरा करावे तथा कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रतिमाह विकास कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने बीसीएमओ को निर्देश दिये कि क्षेत्र के चिकित्सालयों में सभी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएं रहे। आवश्यक उपकरणों आदि के प्रस्ताव तैयार करे। उन्होंने निर्देश दिये कि विधायक कोष के स्वीकृत कार्यों को किसी भी सूरत में लंबित नहीं रखे। उन्होंने सीबीईओ को निर्देश दिये कि महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल खुलवाने के प्रस्ताव तैयार करे। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या उत्पन्न नहीं होवे इसके लिए विशेष कार्य योजना बनाकर उसको अमल में लाए। आमजन किसी भी रूप में पेयजल वितरण व्यवस्था से प्रभावित नहीं रहें। उन्होंने निर्देश दिये कि दिव्यांगजनों को बीपीएल के समान लाभ दिलवाए जाए। बैठक में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचांग

दिनांक 12मार्च 2023 रविवार
विक्रम संवत2079चैत्र कृष्ण पक्ष

तिथि	पंचमी	22:00:55
पक्ष	कृष्ण	
नक्षत्र	स्वाति	07:58:55
योग	व्याघात	18:40:34
करण	कौलव	10:06:38
करण	तैतुल	22:00:55
चन्द्र राशि	तुला	26:17:39
चन्द्र राशि	वृश्चिक	26:17:39
सूर्य राशि	कुम्भ	
दिशा शूल	पश्चिम	
सूर्योदय(जयपुर)	06:41:15	
सूर्यास्त	18:32:24	
चंद्रोदय	23:07:10	
चंद्रास्त	09:21:13	
राहू काल	17:04-18:32	
अभिजित	12:14-13:01	
शुभ चोघडिया		
चर	08:10-09:39	शुभ
लाभ	09:39-11:08	शुभ
अमृत	11:08-12:37	शुभ
शुभ	14:06-15:35	शुभ

विशेष जानकारी:-
श्रीरंगपंचमी :-आज

ज्योतिषाचार्य
भानुप्रकाश शास्त्री

बाजरा उत्पादन में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान : कृषि विपणन राज्य मंत्री

गरीबों का सितारा

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के उपलक्ष में आयोजित ह्यराजस्थान मिलेट्स कॉन्क्लेवह्न का आयोजन 13-14 मार्च 2023 को राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुगार्पुरा में किया जा रहा है। आयोजन कि तैयारियों का जायजा कृषि विपणन राज्य मंत्री श्री मुरारी लाल मीणा ने लिया। इस दौरान कृषि विपणन राज्यमंत्री ने मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की । उन्होंने बताया कि भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है। मिलेट्स पोषणीय आधार पर अन्य खाद्यान्नों की अपेक्षा में बेहतर माने जाते हैं। इनके उपयोग से कुपोषण, मोटापा, डायबिटीज, मधुमेह आदि से बचाव में सहायता प्राप्त होती है। राज्य मंत्री श्री मीणा ने कहा कि बाजरा उत्पादन में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है। भारत में बाजरा के क्षेत्रफल में राजस्थान की 57 एवं उत्पादन में 42 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसी तरह ज्वार के उत्पादन एवं क्षेत्रफल में राज्य का तीसरा स्थान है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में पहले भोजन मिलेट्स आधारित था, लेकिन हरित क्रांति के दौर में गेहूं और चावल पर जोर दिया गया, उस समय इसकी जरूरत थी ताकि लोगों को भरपेट भोजन मिल सके। बाजरा और ज्वार की खेती के प्रोहत्सान,उत्पादन में वृद्धि, घरेलू खपत को बढ़ावा देने एवं मूल्य संवर्धन के लिए बजट 2022झ 23 में राजस्थान मिलेट्स प्रोत्साहन मिशन की शुरूआत की गई। बाजरा, ज्वार व अन्य पोषक अनाजों का घरेलू उपयोग बढ़ाने के लिए मिड –डे मील, इंदिरा रसोई और आईसीडीएस की योजनाओं में सम्मिलित किए जाने की भी घोषणा की गई है। श्री मीणा ने बताया कि राज्य को कृषि प्रसंस्कृत उत्पादों का हब बनाने के लिए कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति–2019 लागू की गई है। उन्होंने कहा कि इस मिलेट्स कॉन्क्लेव में देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईसीएआर , उअे फक्क, ठकअट, भारतीय मिलेट्स अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) हैदराबाद, कृषि विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, मिलेट्स की इकाइयों के निवेशक, प्रगतिशील किसान और इस क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि आकर विचार विमर्श करेंगे। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव श्री दिनेश कुमार,कृषि आयुक्त श्री कानाराम, निदेशक कृषि विपणन विभाग श्री सीताराम जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग श्री जय सिंह, मुख्य लेखाधिकारी श्रीमती कौशल्या सांकृत्य, और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उद्योग मंत्री ने किया अलवर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मूर्ति का अनावरण

गरीबों का सितारा

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्रीमती शकुन्तला रावत ने अलवर जिले के बानसूर में सुभाष र्सकिल पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूति का फीता काटकर अनावरण किया और सुभाष र्सकिल के रिनोवेशन कार्य का उद्घाटन किया। उद्योग मंत्री श्रीमती रावत ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे ?से महापुरुष थे जिन्होंने आजादी की क्रांति की अलख जगाई थी। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का देश की आजादी में विशेष योगदान रहा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। उल्लेखनीय है कि बानसूर में सुभाष चौक पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की कुछ महीने पहले र्मूति खंडित हो गई थी जिसको हटाकर नगरपालिका प्रशासन की ओर से सुभाष चन्द्र बोस की नई र्मूति और र्सकिल का रिनोवेशन करवाया गया था। उद्योग मंत्री ने अलवर जिले के बानसूर कस्बे के वार्ड 32 में पेयजल समस्या के निराकरण हेतु जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि तत्काल व्यवस्था के तौर पर पेयजल की आपूर्ति टैंकरों से कराई जाए। साथ ही स्थाई समाधान के लिए जल जीवन मिशन के कार्य को गति देकर यथाशीघ्र उसे मूर्त रूप दिया जाए। श्रीमती रावत का बानसूर के गांव किशोरपुरा में शहीद परिवार ने शहीद की पुत्री को अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने में सहयोग करने पर अभिनन्दन किया। मंत्री श्रीमती रावत ने 1991 में शहीद हुए माधाराम गुर्जर के परिजनों एवं वीरांगना का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि शहीदों की शहादत कभी नहीं भुला सकते। उन्होंने कहा कि शहीद परिवार को संबलन प्रदान करना हम सब का कर्तव्य है। इस दौरान संबंधित अधिकारी एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रांगण में किया नवीन संविधान उद्यान का शिलान्यास 154 उपाधियों का वितरण

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने प्राचीन कृषि ज्ञान और परम्पराओं को आधुनिक एवं उन्नत तकनीक से जोड़कर भारत को सुदृढ़, संपन्न और विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी समर्पित सहभागिता से आगे आने का आह्वान किया है। श्री मिश्र ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के डॉ. पी. जोशी सभागार में विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने दीक्षान्त समारोह में 154 उपाधियों का वितरण किया। इनमें 130 स्नातक, 23 स्नातकोत्तर एवं 1 विद्या वाचस्पति उपाधि शामिल है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने कृषि संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 7 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने दीप प्रज्वलित कर दीक्षान्त समारोह का शुभारंभ किया। श्री कलराज मिश्र ने संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्त्तव्यों का वाचन किया। ह्नराज्यपाल ने किया संविधान उद्यान का शिलान्यासह्न इस अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय प्रांगण मे नवीन संविधान उद्यान का वर्चुअल शिलान्यास किया।

पुस्तिकाओं का विमोचन

उन्होंने कृषि क्षेत्र में नवाचार अपनाते हुए खेती के आधुनिक कारगर और कम पानी में अधिक पैदावार के तरीकों, पोली खेती, बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति आदि को बढ़ावा देने, कम क्षेत्र में सब्जियों और अन्य दैनिक उपयोग के फसल उत्पादन को प्रोत्साहित करने आदि के लिए विश्वविद्यालय को पहल करते हुए बहुआयामी कार्य करने के लिए कहा। आरंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. चौधरी ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति को पुष्पगुच्छ एवं श्रीफल भेंट तथा शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया और अपने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय की गतिविधियों तथा उपलब्धियों पर केन्द्रित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इंदिरा महिला शक्ति प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह हुआ आयोजित

महिला एवं बालिका विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हुआ सम्मान

गरीबों का सितारा

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत शनिवार को जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय इंदिरा महिला शक्ति प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिला प्रशासन एवं जिला महिला अधिकारिता कार्यालय के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में महिला एवं बालिका विकास के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं एवं शख्सियतों का सम्मान किया गया। समारोह में इनाया फाउंडेशन को प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया, वहीं सरिता योगी को द्वितीय एवं एकादशी फाउंडेशन को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मानित हुई संस्थाओं और शख्सियतों को नगद पुरस्कार के साथ-साथ स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। इस अवसर पर उपनिदेशक महिला अधिकारिता डॉ. राजेश डोगीवाल ने उड़ान योजना में जनजागरुकता में अहम भूमिका निभाने के लिए गरिमा शर्मा, पारुल एवं डॉ. श्रद्धा का भी सम्मान किया। वहीं, महिला एवं बाल विकास विभाग की एक साथिन, एक कार्यकर्ता, एक सहयोगिनी, एक सहायिका को भी 11-11 हजार रुपये के नगद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में संरक्षण अधिकारी अनिरुद्ध शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, उत्सव शर्मा, अनुष्का सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

आमजन की गाढ़ी कमाई को धोखे से हड़पने वाली सोसाटियों के खिलाफ सख्त त्वरित कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री ने शनिवार को उच्चाधिकारियों के साथ की विस्तृत समीक्षा

गरीबों का सितारा

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की गाढ़ी कमाई को ठगने वाली सोसायटियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ रही है। संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी सहित ?सी सोसायटियों का संबंध चाहे किसी भी रसूखदारों से हो, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। श्री गहलोत ने कहा कि आमजन की राज्य सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं। गहलोत ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्चाधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। अधिकारियों ने बताया कि आमजन की गाढ़ी कमाई को धोखे से हड़पने वाली सोसायटियों के खिलाफ 1 लाख 12 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इनके खिलाफ दी बैनिंग ऑफ अनरेगुलेटेड डिपोजिट एक्ट (बड्स एक्ट) के तहत कड़ी कार्रवाई की दिशा में काम शुरू हो गया है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सोसायटियों के प्रकरणों में ईडी को कई बार लिखा जा चुका है, उन्हें कार्रवाई के लिए आगे आना चाहिए। हाल ही लोकसभा में एक अतारांकित प्रश्न के जवाब में को-ऑपरेटिव केंद्रीय मंत्री द्वारा संजीवनी सहित अन्य सोसायटियों की एक सूची सदन के पटल पर रखी, जिसमें लिक्विडेटर नियुक्त करने का उल्लेख किया गया था। इसके बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है।

सम्पत्तियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री ने सहकारिता विभाग, पुलिस विभाग और एसओजी के अधिकारियों को आपसी सामंजस्य बनाकर प्रकरण में प्राप्त शिकायतों के अनुसार त्वरित कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सोसायटियों में करोड़ों रुपए निवेश कर चुके निवेशकों की पीड़ा बहुत मार्मिक है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को सभी जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, रजिस्ट्रार सहित सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्रवाई को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। श्री गहलोत ने सहकारिता अधिकारियों को पब्लिक नोटिस जारी कर ?सी सोसायटियों से सतर्क रहने संबंधित प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, महानिदेशक पुलिस श्री उमेश मिश्रा, प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रीमती श्रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव गृह श्री आनंद कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एसओजी श्री अशोक राठौड़, रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग श्री मेघराज सिंह रतनु एवं विशेषाधिकारी सहकारिता श्री महेंद्र सिंह राघव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

सीकर। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को रोडवेज बस डिपो परिसर में वाहन चालकों की आँखों की जांच के लिए नैत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। गौरतलब है कि जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव द्वारा सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए दिशा–निदेर्शानुसार की पालना में आयोजित नेत्र चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर में नेत्र सहायक रजनी यादव द्वारा लगभग 83 वाहन चालकों की आंखों की जांच की गई। इस दौरान औंकार सिंह प्रबन्धक यातायात, देवेन्द्र सुण्डा परिवहन निरीक्षक, सुरेश चौधरी सीबीएस प्रभारी, अनिल ईटीएम शाखा सहित परिवहन व रोडवेज विभाग का स्टॉफ रहा।

शिविर में 83 वाहन चालकों की आँखों की जांच की

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण भारत संगठन मे विस्तार करते हुए अलवर जिला उपाध्यक्ष बनाया मुकेश कुमार मीना को

गरीबों का सितारा

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण भारत संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मीना ने मिडिया को बताया है कि हमारा यह संगठन पूरे भारत देश के सभी राज्यो मे बहुत तेजी से सक्रिय व लोकप्रिय होता ही जा रहा है और आमजन के हित मे भ्रष्टाचार के खिलाफ व महिला अत्याचार के खिलाफ और शोषण के विरूद्ध व बाल श्रम के खिलाफ लगातार पैरवी कर रहा है , हमारे इस संगठन का मुख्य उद्देश्य है कि भ्रष्टाचार व रिश्वतखोरो के खिलाफ जबरदस्त मुहिम चलाना है और महिलाओ के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाना व भ्रष्टाचारियो का पदार्फाश करना है तथा पुलिस प्रशासन का भी अच्छा सहयोग करना है तथा आरटीआई एक्ट 2005 का उपयोग कर भ्रष्टाचार को भी उजागर करना है एवं अन्य दूसरे भी कई प्रकार भी काम जो आमजन के हित मे हो। यह संगठन भारत सरकार द्वारा रिकोग्नाइज्ड संगठन है और इस संगठन का रजिस्ट्रेशन नम्बर 26/2019 है , यह संगठन बहुत ही तीव्र गति से पूरे भारत देश मे सभी जगह अनवरत रूप से विस्तार कर रहा है। शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मीना ने अलवर जिला उपाध्यक्ष के पद पर मुकेश कुमार मीना को नियुक्ति दी है यह नियुक्ति अलवर जिला संयुक्त सचिव महेश चन्द मीना की सिफारिश के आधार पर नियुक्ति दी है। मुकेश कुमार मीना वर्तमान मे राजस्थान आदिवासी मीणा महासभा संस्थान का प्रदेश सचिव भी है।इसी विस्तार की कडि मे ही राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति से महेश चन्द मीना अलवर जिला संयुक्त सचिव द्वारा भी अलवर की रैणी तहसील से भी लगातार संगठन सदस्य बनाये जा रहे है राष्ट्रीय अध्यक्ष के आदेशानुसार निःशुल्क सदस्यता दी जाती है। इस संगठन मे संगठन सदस्य निःशुल्क सदस्य बनाये जाते है तथा संगठन सदस्य को पदाधिकारी द्वारा मनोनयन पत्र जारी किया जाता है। यह संगठन आमजन के हित मे सम्बन्धित जिम्मेदार उच्चाधिकारीगणो से सहयोग प्राप्त कर ही कामयाबी प्राप्त करने मे विश्वास रखता है। मिडिया को यह सारी जानकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मीना के द्वारा दी गई है।

मुकेश मीना है वर्तमान मे राजस्थान आदिवासी मीणा महासभा संस्थान का प्रदेश सचिव

यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अलवर जिला संयुक्त सचिव महेश चन्द मीना की सिफारिश पर दी गई है

खेजड़ी आयुर्वेद चिकित्सालय में वायरल फीवर व H3N2 वायरस के प्रकोप के रोकथाम हेतु काढा वितरण किया गया

गरीबों का सितारा

गुलाबपुरा/ रामकिशन वैष्णव। क्षेत्र में बढ़ रहे हैं बुखार ,खाँसी और वायरल फीवर के मरीजों की संख्या को देखते हुए राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय खेजड़ी में आयुर्वेदिक औषधियों द्वारा निर्मित काढ़े का निशुल्क वितरण किया गया। डॉ विजय वैष्णव ने बताया की मौसम में हो रहे परिवर्तन की वजह से वायरल फीवर , खांसी, जुखाम के मरीजों में वृद्धि हुई हे, जिसके तहत वायरल की रोकधाम के लिए काढ़ा वितरण किया गया, जिसमे 480 छात्र व छात्राओ ने काढा पिया, साथ ही 200 ग्रामीणों ने भी काढा पिया। खेजड़ी सरपंच प्रतिनिधि दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि आयुर्वेद से ही स्वस्थ जीवन संभव है आयुर्वेद औषधियाँ बिना किसी दुष्प्रभाव के बीमारी को जड़ से खत्म करती है पता है आयुर्वेद जीवनशैली अपनानी चाहिए! डॉ विजय वैष्णव ने स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों एवं वायरस से बचाव व रोकधाम के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की। इस दौरान डॉक्टर विजय वैष्णव ,कंपाउंडर महावीर जांगिड़ ,योग प्रशिक्षक अक्षय वैष्णव, दिव्या शर्मा ने विधि पूर्वक आयुर्वेदिक औषधीय काढ़े का निर्माण किया एवं काढ़ा वितरण किया गया(H3N2 के क्या लक्षण हैं ? विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) के अनुसार, मनुष्यों में एवियन, स्वाइन और अन्य जूनोटिक इन्फ्लुएंजा संक्रमण से सांस लेने में तकलीफ होना, ऑक्सीजन लेवल 93 से कम होना, छाती और पेट में दर्द और दबाब महसूस होना, बहुत ज्यादा उल्टी, मरीज के कंफ्यूज रहने या भ्रमित रहने और बुखार-खांसी रिपीट होना है।

साइंस कैंपस मे धूमधाम से मनाया कक्षा 12 वीं का विदाई समारोह

गरीबों का सितारा

मंडावर (राहुल जोशी)। आजाद बाल विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय मे शुक्रवार को कक्षा 12 वीं का विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमे विद्यालय की निदेशिका सरोज गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर विजय झालानी, प्रधानाचार्य ओमप्रकाश शर्मा, पंचायत समिति सदस्या पूजा गोयल, सुधा गुप्ता, वंदना सिंहल ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वन्दना के साथ कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रम मे कक्षा 11 वीं एवं इंग्लिश मीडियम के बच्चो के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नरेश बंसल ने कक्षा 12वीं के विधार्थियों को अपने शब्दो से प्रेरित किया कि कोई भी बच्चा यदि अपना मन बना ले तो कोई भी मुकाम हासिल कर सकता है और कहा कि आप अब एक सीढ़ी को पार करके जा रहे हो एवं अपने भविष्य की नींव रखने जा रहे हो तो इसे पूरी ईमानदारी के साथ पूरा करना है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि वंदना सिंहल ने भी बच्चो मे जोश भरते हुए कहा कि हमे हमेशा अपनी नींव अर्थात विद्यालय से जुडा हुआ रहना है और विद्यालय एवं अपने माता पिता एवं गांव का गौरव हमेशा बनाए रखना है। मुख्य अतिथि पूजा गोयल ने भी शायरियों के साथ बच्चो मे भरपूर जोश भरा और बच्चो को विश्वास दिलाया की कभी भी मुश्किल समय मे सभी के लिए समाधान निकालने की कोशिश करेंगी। वहीं मोहित ताम्बी ने सभी बच्चो को कहा कि कोशिश करने वालो की कभी हार नही होती और संदेश दिया कि हमे तब तक संघर्ष करना चाहिए जब तक अपना मुकाम प्राप्त नही कर लेते। इसके अलावा अनेको बच्चो ने भी अपनी स्पीच दी और विद्यालय की सराहना की। जहाँ मंच संचालन विवेक अग्रवाल एवं हर्षिता गुप्ता ने किया। विदाई समारोह मे 12 वीं के बच्चो का 11 वीं के बच्चो द्वारा तिलक लगाकर, माला पहनाकर एवं उपहार देकर सम्मान किया और विद्यालय के सभी शिक्षकों ने पुष्प वर्षा कर बच्चो को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के समापन मे सरोज गुप्ता ने अपने आशीर्वचनों से सभी को साधुवाद दिया एवं विजय झालानी ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि हम आप बच्चो को केवल विद्यालय जीवन से विदा कर रहे है और आप सभी विद्यालय परिवार का हमेशा हिस्सा रहंगे और आशा करते हैं कि विद्यालय के सभी बच्चे भविष्य मे अच्छे पद पर सुशोभीत होकर अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। जहाँ पुरे माहौल मे एक तरफ विद्यालय से विदाई के कारण सभी के चेहरे पर उदासी थी तो एक तरफ अपने विद्यालय जीवन को पुरा करने की खुशी दिखाई दे रही थी।

देव हीरो सीकर व पतंजलि महिला समिति सीकर द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष में होली स्नेह मिलन

गरीबों का सितारा

सीकर, साधना सेठी। देव हीरो सीकर व पतंजलि महिला समिति सीकर द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष में होली स्नेह मिलन का प्रोग्राम किया गया जिसमे भाजपा जिलाध्यक्ष इंद्रा चौधरी ने महिला ससक्तिकरण पर जोर दिया और सेफटी के लिए हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने का सन्देश दिया साथ ही यातायात के नियमो की पलना

का सन्देश दिया पतंजलि संगरक्षक डॉक्टर सरिता गुर्जर ने हेल्थ टिपस रहने का सन्देश दिया साथ ही सभी महिलाओ दवारा हीरो जूम स्कूटर लॉन्चिंग की गई उसके फीचर सभी महिलाओ को बहुत अच्छे लगे सभी ने हीरो कंपनी की सराहना की स्कूटर में फोर वीलर के जैसे फीचर दिए है। पतंजलि महिला प्रभारी पुष्पा भाकर ने सभी को करो योग रहो निरोग का सन्देश दिया सभी बच्चियों ने सूर्यनमस्कार की मुद्राये की न्यूज रिपोर्टर साधना सेठी ने सभी बच्चो को संस्कारवान रहने का सन्देश दिया इस अवसर पर दुर्गा रणवा,शिवलाल मीणा,महावीर जांगिड़ उषा भाकर, उषा छिपा, माया खीचड़, महिला अधिकारिता विभागसे नीलम , ऐस के लेक्चरर किरण गढ़वाल, संतरा लोरा, सरस्वती ढाका कांग्रेस महामंत्री साबिरा, सुमन मोदी, स्याम समिति अध्यक्ष सुनीता, पायल आदि सभी महिलाओ ने चंग धमाल पर नाचगाकर फूलो की होली खेली उषा छिपा ने सभी का सम्मान किया मंच का संचालन देव हीरो की दी ऐस एआईएम संगीता रूलाणियां ने किया अंत में दुर्गा देवी रणवा व पतंजलि की पूरी टीम ने शोल उड़कर श्री फल देकर व पौधा देकर देव हीरो का सम्मान किया सभी ने प्रोग्राम की सराहना की व देव हीरो का धन्यवाद किया जिन्होंने इतना अच्छा प्रोग्राम ऑगेनाइज किया।

व्यवसायिक शिक्षा की लेब और कक्षाओं का हुआ औचक निरीक्षण

समग्र शिक्षा अभियान के अधिकारी देवेन्द्र त्यागी व निहाल सिंह ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

गरीबों का सितारा

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। शहर के नगर परिषद रोड स्थित राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय में संचालित व्यवसायिक शिक्षा की

प्रायोगिक लेब्स, सामग्री, कक्षा कक्ष, फाइल्स, जरुरी दस्तावेज, आदि का औचक निरीक्षण शनिवार को समग्र शिक्षा अभियान के अधिकारी देवेन्द्र त्यागी व निहाल सिंह द्वारा किया गया। निरक्षण के दरमियान जिन व्यवस्थाओं में कुछ कमी पाई गई

उसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए व्यवसायिक शिक्षा प्रभारी हेमंत कुमावत ने बताया कि स्थानीय विद्यालय में चल रही व्यावसायिक शिक्षा में इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एवं इलेक्ट्रिक एंड हार्डवेयर दोनों ट्रेड में 40 -40 बच्चे अध्ययन कर रहे हैं सभी के पास पोर्टफोलियो फाइल एवं प्रैक्टिकल फाइल बनी हुई है।व्यावसायिक शिक्षा जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र त्यागी ने सभी फाइल्स का निरीक्षण किया साथ ही कुछ दिशा निर्देश भी दिए छात्रों ने जो कार्य किया है इन सब कार्यों की पीपीटी बनावे एवं पीडीएफ बनाकर जिला कार्यालय पर भेजें निरक्षण के दौरान उप प्रधानाचार्य दिनेश चौहान, पारी प्रभारी राजेन्द्र प्रजापति ,गुरु शरण गोयल, परमेश्वर सिंह व्यवसायिक प्रभारी हेमन्त कुमावत ,प्रशिक्षक आर एन रावत राहुल ओझा आदि उपस्थित रहे।

महारिया में एसएमसी एवं एसडीएमसी की क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

गरीबों का सितारा

लालसोट। उपखंड के राउमावि महारिया में शनिवार को विद्यालय प्रबंधन समिति एवं विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति के सदस्यों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। आगंतुक सदस्यों और दक्ष प्रशिक्षक आशा सेजवाल प्रधानाचार्य राबाउमावि मण्डावरी का उप प्राचार्य कमलेश गौतम एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा अभिनन्दन किया गया। परिचय सत्र के पश्चात दक्ष प्रशिक्षक आशा सेजवाल ने नामांकन तथा ठहराव, बालिका शिक्षा तथा नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला। उप प्राचार्य एवं दक्ष प्रशिक्षक कमलेश गौतम ने समिति सदस्यों के दायित्व, जेंडर संवेदनशीलता तथा शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन रमेश तिवाड़ी प्रधानाध्यापक दौसाडा ने किया। इस अवसर गंगाराम मीना पंचायत समिति सदस्य, छोटे लाल मीना, महिला सदस्य एवं स्थानीय विद्यालय के प्रतिनिधि सदस्यों ने भाग लिया। साथ ही विद्यालय में पीईईओ परिक्षेत्र के सभी विद्यालयों की कक्षा 6से 8 की बालिकाओं के लिए "आत्मरक्षा प्रशिक्षण " सत्र में प्रधानाचार्य आशा सेजवाल मंडावरी एवं व्याख्याता पिंकी बानो के द्वारा आत्मरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान की।

नगर पालिका ने पुरस्कार देने में की हेराफेरी

गरीबों का सितारा

भीलवाड़ा। शाहपुरा कस्बे में नगर पालिका द्वारा राशि में हेरफेर करने का एवं मेले में भजन संध्या कवि सम्मेलन आदि में राशि का दुरुपयोग करने आरोप लगा जानकारी के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के फूलडोल महोत्सव में नगर पालिका द्वारा कवि सम्मेलन भजन संध्या होली सजावट प्रतियोगिता अलगोजा प्रतियोगिता साफा बंधाई प्रतियोगिता मेहंदी प्रतियोगिता मटकी दौड़ प्रतियोगिता नींबू चम्मच दौड़ प्रतियोगिता अखाड़ा प्रतियोगिता आदिविभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कवि सम्मेलन भजन संध्या की राशि पर सोशल मीडिया द्वारा धनराशि दुरुपयोग के आरोप लगे एवं मुख्यतः मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले को 3100 सो रुपए का पुरस्कार देना था जिसकी जगह 2100ही दिए गए उसका प्रमाण पत्र जारी किया एवं नगर पालिका ने अपनी गलती मानने से इनकार कर दिया जबकि नगर पालिका मंडल शाहपुरा द्वारा फूलडोल महोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन के पर्चों का नगर में वितरण किया था इस मामले को लेकर जिले के उच्च अधिकारी को अप्रत्यक्षशिकायत की जा चुकी है लेकिन कोई अधिकारी एवं कर्मचारी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

बढ़ा मान: राष्ट्रीय एकता दिवस परेड पर भंवर मिला सम्मान

प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित

गरीबों का सितारा

हिंगोनियां। कस्बें के निवासी आपदा विशेषज्ञ निरीक्षक भंवर लाल टॉक ने राष्ट्रीय एकता दिवस परेड 2022 में भारत के माननीय प्रधानमंत्री के समक्ष स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवड़िया गुजरात परेड में शामिल होकर सलामी दी। गौरतलब है कि यह परेड भारत के सभी राज्यों व केंद्रीय पुलिस बलों को मिलाकर केवड़िया में आयोजित की जाती है। परेड में भंवर के उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए महानिदेशक द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह गर्व की बात है कि कस्बे के निवासी ने प्रधानमंत्री के समक्ष परेड में शामिल होकर गांव का नाम रोशन किया। प्रशंसा पत्र मिलने पर गांव के युवाओं ने निरीक्षक को मुबारकबाद पेश की।

विधायक ने किया कृषि उपज मंडी का शिलान्यास

अम्बेडकर भवन का भी किया शिलान्यास

गरीबों का सितारा

महवा। रौत हडिया में कृषि उपज मंडी का प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति आने के बाद शनिवार को लोगों के बीच महुआ विधायक ओमप्रकाश हुडला ने कृषि उपज मंडी का शिलान्यास किया। और लोगों को भरोसा दिलाया कि हम जल्द से जल्द किसानों के लिए कृषि उपज मंडी को बना कर देंगे। गौरतलब है कि महुआ विधायक ओम प्रकाश हुड़ला पिछले कई वर्षो से इस कृषि उपज मंडी को बनाने के लिए प्रयासरत थे और इसके लिए उनके द्वारा लगभग हर स्तर पर अपनी बात पुरजोर तरीके से रखा गया जिसके फलस्वरूप राज्य सरकार द्वारा कृषि उपज मंडी हड़िया को बजट में घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस कृषि उपज मंडी के निर्माण से हमारे किसानों को अपनी फसलों को बेचने के लिए कहीं दूर मंडी

में नहीं जाना पड़ेगा उनके घर के नजदीक उनकी फसलों के वाजिब दाम के लिए बाजार उपलब्ध होगा। कृषि उपज मंडी के निर्माण के बाद यहां पर किसानों के लिए बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसी के साथ महुआ विधायक ने रौत हड़िया में ही अंबेडकर भवन का भी शिलान्यास किया और इसे एक जाजम पर बैठने के लिए अहम बताया उन्होंने कहा इस अंबेडकर भवन के बनने से यहां के लोगों को अपने सामाजिक कार्य करने के लिए एक भवन उपलब्ध हो सकेगा। इसके लिए स्थानीय निवासियों ने महवा विधायक का आभार जताया।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

राहुल गांधी के कैंब्रिज से दिए बयान की आलोचना देश भर में हो रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रहे व वर्तमान सांसद राहुल गांधी अगर ब्रिटेन में पीएम नरेंद्र मोदी, भाजपा, संघ पर और भारतीय लोकतंत्र के खतरे में होने का आरोप लगा रहे हैं, मीडिया में यह बात आ रही है, और बिना किसी अड़चन के वे देश में अपनी बात रख रहे हैं, बिना किसी दिक्कत के भारत जोडो यात्रा निकाल रहे हैं, तो यह अपने आप में राहुल के सभी आरोपों के जवाब हैं। भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, विपक्ष समेत सभी को अपनी बात कहने का हक है, मीडिया अपना काम कर रहा है, लोकतंत्र अच्छे से चल रहा है। राहुल गांधी के बयानों का कांग्रेस, सरकार व भारत पर पड़ने वाले असर का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

विदेश में राहुल व देश में कांग्रेसी यात्रा

विश्लेषण

प्रमोद जोशी
वरिष्ठ पत्रकार

हाल में ब्रिटेन-यात्रा के दौरान राहुल गांधी के बयानों की ओर देश का ध्यान गया है। वे क्या कहना चाहते हैं और क्यों? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या उनकी बातों से कांग्रेस पार्टी की छवि बेहतर बनाने में मदद मिलेगी? इन बातों का ब्रिटिश समाज से क्या लेना-देना है और भारत का मतदाता क्या उनसे सहमत है? दस दिन के अपने प्रवास में राहुल गांधी ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय के एक बिजनेस स्कूल और ब्रिटिश संसद में एक कार्यक्रम को संबोधित किया, भारतवंशियों से भेंट की, ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय पत्रकारों के एक संगठन के संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और चैथम हाउस में हुई एक बातचीत में भाग लिया। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के वक्तव्य में उन्होंने लोकतंत्र, फ्री प्रेस और पेगासस आदि पर अपने विचार रखे। उन्होंने भारत की केंद्र-सरकार पर लोकतंत्र के मूल ढांचे पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के लिए जो संस्थागत ढांचा चाहिए जैसे संसद, स्वतंत्र प्रेस और न्यायपालिका, इन सभी पर अंकुश लग रहा है। मेरे खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जो किसी भी परिस्थिति में आपराधिक मामले नहीं हैं। जब आप मीडिया और लोकतांत्रिक ढांचे पर इस प्रकार का हमला करते हैं तो विरोधियों के लिए लोगों के साथ संवाद करना बहुत मुश्किल हो जाता है।

राहुल गांधी ने विदेश जाकर भारतीय-व्यवस्था की जो आलोचना की है, उसे क्या सामान्य राजनीतिक-आलोचना माना जाए? देश के प्रमुख विरोधी-दल के नेता से उम्मीद यही की जाती है कि वह व्यवस्थागत-दोषों पर रोशनी डाले, पर यह आलोचना व्यवस्थागत है, तो अमेरिका और ब्रिटेन से हम किस प्रकार के हस्तक्षेप की उम्मीद करते हैं? एक पराजित-पार्टी अपनी विफलता का ठीकरा सत्ताधारी दल पर क्यों फोड़ना चाहती है? ऐसी ही आलोचना क्या ब्रिटेन के राजनेता भारत आकर कर सकते हैं? भारत में फासिज्म है, तो राहुल गांधी इतनी आसानी से अपनी बात कैसे कह पा रहे हैं?

प्रश्न और प्रति-प्रश्न

राहुल गांधी के इन वक्तव्यों से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने विदेश जाकर भारतीय-व्यवस्था की जो आलोचना की है, उसे क्या सामान्य राजनीतिक-आलोचना माना जाए? देश के प्रमुख विरोधी-दल के नेता से उम्मीद यही की जाती है कि वह व्यवस्थागत-दोषों पर रोशनी डाले, पर यह आलोचना व्यवस्थागत है, तो अमेरिका और ब्रिटेन से हम किस प्रकार के हस्तक्षेप की उम्मीद करते हैं? अपने देश में पराजित-पार्टी अपनी विफलता का ठीकरा सत्ताधारी दल पर क्यों फोड़ना चाहती है? क्या यह सच नहीं कि 2014 के चुनाव के पहले से ही ब्रिटिश अखबार गार्डियन में उन्हीं लोगों के पत्र और लेख छपने लगे थे, जो आज राहुल गांधी के कार्यक्रमों के पीछे हैं? ऐसी ही आलोचना क्या ब्रिटेन के राजनेता भारत आकर कर सकते हैं? ब्रिटिश या अमेरिकी राजनेता कर भी लें, पर क्या चीन, रूस, तुर्की, सऊदी अरब, ईरान के राजनेता अपने शासन की आलोचना करके वापस अपने देश में सुरक्षित जा सकते हैं, जिनके साथ अब भारत की तुलना की जा रही है? क्या इस प्रकार की बातें स्वतंत्रता-पूर्व की ब्रिटिश-मनोदशा को सही साबित करने की प्रयास है कि भारत अपने यहाँ लोकतंत्र का निर्वाह नहीं कर पाएगा?

भारत में कथित फासिज्म है, तो राहुल गांधी इतनी आसानी से अपनी बात कैसे कह पा रहे हैं? सीधे पीएम पर राजनीतिक हमला किस प्रकार कर पा रहे हैं? यदि उनकी घेराबंदी इतनी जबर्दस्त है, तो वे अपनी 'भारत-जोड़ो यात्रा' को सफलता के साथ किस प्रकार पूरा कर पाए? क्या भारतीय मीडिया में राहुल गांधी और कांग्रेस के समर्थन और नरेंद्र मोदी की आलोचना में लेखों का प्रकाशन संभव नहीं है?

क्या अब 'परिपक्व' राहुल

इन कार्यक्रमों को आयोजित करने वाले मानते हैं कि इन कार्यक्रमों से केवल भारत की राजनीति से जुड़े प्रश्नों पर बहस खड़ी होगी, बल्कि दोनों देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक और कारोबारी रिश्तों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिसमें वहाँ रहने वाले भारतवंशी सेतु का काम करेंगे। उनके समर्थक मानते हैं कि राहुल गांधी ने अपनी परिपक्वता के झंडे गाड़ दिए हैं और उनके आलोचक मानते हैं कि उनकी सारी बातें गोल-मोल, अटपटी और अबूझ पहेली जैसी रही है। उनसे जो नीतिगत सवाल पूछे गए, उनके जवाबों को लेकर भी काफी चर्चा है। खासतौर से जब उनसे पूछा गया कि यदि उनकी सरकार आई, तो उनकी विदेश-नीति में नया क्या होगा, तो उन्होंने जो जवाब दिया, वह काफी लोगों को समझ में नहीं आया। ब्रिटेन जाकर वे चीन की तारीफ क्यों कर रहे हैं? क्या वे भारत और चीन के बीच सीमा विवाद की अनदेखी कर सकते हैं। अगले ही पल वे फिर चीन की आलोचना कैसे करने लगते हैं? 'भारत को राज्यों का संघ' बताकर वे क्या साबित करना चाहते हैं? क्या राज्यों ने भारत का गठन किया है जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका का गठन हुआ था? उनके विरोधी मानते हैं कि उनकी इस यात्रा के पीछे, पश्चिमी-देशों के भीतर सक्रिय भारत-विरोधी लॉबी है, जिसका जिक्र हाल में अमेरिकी रिसर्च कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और अमेरिकी पूँजीपति जॉर्ज सोरोस के बयानों के कारण हुआ था। क्या इसे भारतीय राजनीति में पश्चिमी हस्तक्षेप की योजना का हिस्सा माना जाए और इसके लिए राहुल के रूप आसान प्यादा चुना? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या इन कार्यक्रमों से राहुल गांधी की साख बढ़ी है?

गोरों से संवाद

राहुल गांधी का यह पहला विदेशी-संवाद नहीं है। 2018 में उन्होंने जर्मनी और ब्रिटेन में कुछ ऐसी बातें कहीं, जिन्हें बीजेपी ने देश-विरोधी बताया था। किसी ने राहुल के खिलाफ मुकदमा भी दायर किया था। उस वक्त राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस की तुलना कट्टरपंथी इस्लामी संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड से की थी। इस बार भी ब्रिटेन की यात्रा के दौरान की है। इसके जवाब में बीजेपी की ओर से कहा गया कि उन्हें भारत की अभिकल्पना के साथ धोखा बंद करना चाहिए, राहुल ने जर्मनी के हैम्बर्ग में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि नोटबंदी और जीएसटी के कारण बेरोज़गारी बढ़ी और लोगों के अंदर पनपे ग़ुस्से के कारण मॉब-लिंचिंग की घटनाएं होने लगी हैं। उनका यह भी कहना था कि विश्व में कहीं भी लोगों को विकास की प्रक्रिया से दूर रखा जाता है तो इस्लामिक स्टेट जैसे गुटों को बढ़ावा मिलता है। वे विदेशी-धरती पर ऐसी बातें कहकर क्या साबित करना चाहते हैं? क्या यह गोरों से भारत को फिर से उपनिवेश बनाने का आग्रह है? या यह साबित करने का प्रयास है कि जब हमारी सरकार होगी, तभी आपके दृष्टिकोण से भारत सही रास्ते पर होगा? उन्होंने संबोधित किसे किया, दुनिया को, अंग्रेजों को या भारतीयों को? या उन्होंने नरेंद्र मोदी की उस आत्म-श्लाघा का जवाब दिया है, जो वे विदेश जाकर व्यक्त करते रहे हैं? क्या मोदी-समर्थक यह मानने की गलती कर रहे हैं कि मोदी पर हमला, भारत पर हमले जैसा है? इन सारे सवालों के जवाब अर्धसत्य हैं। कोई पूरी तरह 'हां' और 'नहीं' नहीं है। सरकार का समर्थन करने वाले लोग राहुल की आलोचना करेंगे। कांग्रेस-समर्थक कहेंगे कि उनसे यह पूछा जाएगा कि भारत में चीजें कैसी हैं, तो वे यह तो नहीं कहेंगे कि शानदार हैं।

राजनीतिक लाभ

अगला सवाल ज्यादा व्यावहारिक है। क्या राहुल गांधी की बातों से उन्हें राजनीतिक लाभ मिलता है या नुकसान होता है? वे अपनी बातों को कहने के लिए संसद और भारतीय मंचों का उपयोग करने के बजाय विदेशी मंचों का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं? इस प्रकार की बातों से क्या विदेश में भारत की नकारात्मक छवि बनती है? खासतौर से चीन और पाकिस्तान के बरक्स भारतीय-नीति की आलोचना को क्या भारतीय जनमानस स्वीकार करेगा? ऐसा नहीं कि हमारे पास रचनात्मक राजनीति के उदाहरण नहीं हैं। सन 1993 की बात याद आती है, जब मानवाधिकार आयोग में भारत विरोधी प्रस्ताव लाया गया था। उस प्रस्ताव पर चर्चा के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने अटल बिहारी वाजपेयी को जेनेवा भेजा था। उन्हें क्या जरूरत थी विरोधी दल के नेता को भारत का प्रतिनिधित्व सौंपने की, वह भी कश्मीर जैसे संवेदनशील मसले पर? उससे क्या कांग्रेस को राजनीतिक-नुकसान हुआ? 2019 के चुनाव के ठीक पहले फरवरी में हुए पुलवामा कांड के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने पहले मौन रहने का विचार किया और फिर वह मौन तोड़ दिया। इतना ही नहीं पार्टी के चुनाव घोषणापत्र में कहा गया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए यानी देशद्रोह के आरोप को खत्म कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं, आर्म्ड फोर्सेस स्पेशल पावर्स एक्ट (एएफएसपीए) की समीक्षा की जाएगी। कश्मीर और पूर्वोत्तर में आतंकवाद पर काबू पाने के लिहाज से इस कानून की भूमिका है। कांग्रेस एक तरफ लद्दाख में चीनी-घुसपैठ का मामला उठाती है, वहीं राहुल गांधी चीनी-व्यवस्था की तारीफ भी करते हैं। क्या इसका कोई राजनीतिक-अर्थ है? क्या इसमें कोई राजनीतिक स्पष्टता है? राहुल गांधी जो भी बो रहे हैं, क्या उसका सही मतलब निकल रहा है? क्या राहुल अपनी बातों से, बयानों से, संवादों से कांग्रेस के फायदे के लिए स्पष्ट संदेश दे पा रहे हैं? राहुल के बयानों से अनेक प्रकार के भ्रम ही पैदा होते हैं। यह समझ नहीं आता कि राहुल चाहते क्या हैं? उनकी कथनी से कांग्रेस का कितना भला होता है?

कांग्रेसी पराभव

राहुल गांधी यदि आक्रामक रणनीति पर चलना चाहते हैं, तो यह उनका अधिकार है। देखना यह भी होगा के 2014 के बाद से,जब से वे कांग्रेस के मुख्य प्रचारक बने हैं, अब तक इसके परिणाम क्या मिले हैं। मान लेते हैं कि 2014 का चुनाव वे मोदी के वैकल्पिक-करिश्मे से हार गए। जनता ने मोदी को एकबार परखने का मन बना लिया था। पर 2019 में क्या हुआ? वे अपने ही क्षेत्र अमेठी में हार गए। एक के बाद एक चुनाव में हार होती रही। पार्टी के कई नेताओं ने पार्टी छोड़ दी। इनमें से कुछ तो राहुल के करीबी-दोस्त थे। कुछ अब भी पैर लटकाए बैठे हैं। 'भारत-जोड़ो यात्रा' के बावजूद पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के परिणाम सामने हैं। हालत यह है कि उनकी पार्टी उन्हें मोदी के सामने प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने से सकुचा रही है। बीजेपी के प्रचार की वजह से एक दौर में तो वे हास्यास्पद नेता बन गए थे। अब पार्टी को लगता है कि 'भारत-जोड़ो यात्रा' के कारण उनकी छवि सुधरी है, पर मोदी के सामने खड़ा करने की हिम्मत फिर भी नहीं है। तब वे क्यों मोदी को निशाना बना रहे हैं? क्यों नहीं अपनी वैकल्पिक राजनीति का विकास करते हैं? इस सवाल का जवाब सोनिया गांधी को देना चाहिए, जिन्होंने 2007 के गुजरात चुनाव में मोदी को 'मौत का सौदागर' बताकर अपनी पूरी राजनीति मोदी-केंद्रित कर दी। मोदी और अमित शाह को कानूनी-पंजे में दबोचने की कोशिशें की गईं। मोदी को राष्ट्रीय नेता बनाने में कांग्रेस की इस रणनीति का सबसे बड़ा हाथ है। यह रणनीति अब भी जारी है। लगता है कांग्रेस सबक लेकर कुछ भी सीखने को तैयार नहीं है। कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य के लिए सोच ही नहीं पा रही है।

मेकओवर से गेमओवर तक राहुल

दो टूक

प्रणय यादव
वरिष्ठ टीवी पत्रकार

राहुल गांधी ने लंदन में जो बयान दिए उनका मकसद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को घेरना था लेकिन ऐसा लग रहा है कि जैसे खुद राहुल गांधी घिर गए हैं। कांग्रेस के नेता जबाव दे देकर परेशान हैं लेकिन बात बन नहीं रही है। राहुल ने इस तरह की गलती कोई पहली बार नही की है। इससे पहले भी कई मौकों पर राहुल ने कांग्रेस को मुश्किल में डाला। चूंकि राहुल बर बार वही गलती करते हैं इसलिए ऐसा लगता है कि सियासी परिवार में जन्न लेने के बाद भी उन्हें भरत की राजनीति के चाल चरित्र की समझ नहीं हैं। हिन्दुस्तान के लोगों की सोच, उनके भावनात्मक स्वभाव और बदलते व्यवहार का अंदाजा नहीं है। अगर होता तो राहुल एक ही तरह की गलती बार बार न करते। ये नरेटिव सैट करने की कोशिश की जा रही है जैसे राहुल गांधी सत्ता के लिए आतुर है कि वो ये भी भूल गए कि उन्हे कहां क्या कहना चाहिए। ये बात सही है कि राजनीति में कब क्या कहा जाए कहां क्या कहा जाए और कितना कहा जाए इसका बड़ा महत्व होता है। स्थान समय, शब्द और परिस्थिति पर परिणाम निर्भर करता है। लेकिन राहुल गांधी बीस साल के संसद के अनुभव के बाद भी ये बात नहीं सीख पाए।

हमारे यहां तो कहावत है कि घर की बात आंगन के बाहर नहीं जानी चाहिए। घर की बात घर में सुलझ जाए तो सबसे अच्छा। हो सकता है राहुल गांधी ने ये लोकोक्तियां ने सुनी हों लेकिन वो बीस साल से संसद में हैं। पच्चीस साल से सियासत में सक्रिय हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी के उपाध्यक्ष और अध्यक्ष रह चुके हैं। इसलिए ये तो नहीं कह सकते कि उन्हें नहीं मालूम कि देश में पार्टियां आपस में कितना ही लड़ें लेकिन जब देश से बाहर जाएं तो दुनिया के सामने एकजुट रहते हैं। देश के सवाल पर सब एक हो जाते हैं। यही परंपरा रही है और यही विदेश नीति का मंत्र भी रहा है। लेकिन राहुल ने लंदन में जाकर सरकार को कोसना शुरू कर दिया। दुनिया भारत के लोकतन्त्र की मिसाल देती है लेकिन राहुल ने लंदन में जाकर ये कह दिया कि मोदी भारत में लोकतन्त्र को खत्म कर रहे हैं। हालांकि ये कोई नई बात नहीं थी राहुल इस तरह के इल्जाम हजारों बार लगा चुके हैं। महाराष्ट्र इलेक्शन के बाद से भारत जोडो यात्रा तक राहुल ने जो सैकड़ों सभाएं की होंगी । सब जगह ये बात कही। लेकिन मुद्दा नहीं बना। इस बार मुद्दा इशलिए बना क्योकि राहुल ने वही बात विदेश में बैठकर कही। ये परंपरा और नीति दोनों के खिलाफ था।

कांग्रेस के नेताओं ने भरत जोड़ो यात्रा का प्लान राहुल की इमेज के मेकरओवर के लिए बनाया था। ये साबित करने की कोशिश की गई कि कांग्रेस का विस्तार देशव्यापी है और कांग्रेस के नेता जमीन से जुडे है लोगों के सथा खड़े है लोगों के इश्यूज उठाते है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भरत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में

जोश पैदा हुआ। कांग्रेस के लोगों सड़कों पर संघर्ष करते हुए दिखाई देने लगे। राहुल गांधी की इमेज में भी सकारात्म बदलाव आाया। इससे बीजेपी में हलचल दिखी। विरोधी दलों के वो नेता भी एक्टिव हो गए जो खद को प्रधानमंत्री की कुर्सी का दावेदार मानते हैं। ये भारत जोड़ो यात्रा का ही असर था कि कांग्रेस कोई दावेदारी पेश करे इससे पहले ही मोदी को हराने के नाम पर दूसरे दलों ने विपक्ष की एकजुटता की कोशिश शुरू कर दीं। इसे राहुल गांधी की उपलब्धि मानना चाहिए। कम से कम विपक्ष के लोगों को तो ये लगा कि राहुल गांधी भी प्रधानमंत्री की रेस में हो सकते हैं। कांग्रेस के नेताओं को लग रहा था कि भारत जोड़ो यात्रा का मकसद कामयाब रहा। राहुल गांधी की छवि एक मेहनती, जनता के बीच रहने वाले और मोदी को चैलेन्ज करने वाले नेता की बनी है। ये बात कुछ हद तक सही भी थी। लेकिन इसके बाद सैम पित्रोदा राहुल को इंटरनेशल लेबल का लीडर साबित करने के चक्कर में दाढ़ी कटवा कर जेंटलमैन की ड्रैस में लंदन ले गए। कैंब्रिज से लेकर चैथम तक तमाम जगह राहुल के प्रोग्राम करवा डाले। और नतीजा ये हुआ कि पांच दिन में पांच महीने की मेहनत पर पानी फिर गया। भारत जोड़ो यात्रा सो राहुल की इमेज में जो बदलाव आया था उस पर फिर पप्पू का ठप्पा लग गया। कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता तमाम मंचों पर जाकर राहुल का पुरजोर बचाव कर रहे हैं। वो बार बता रहे हैं कि बीजेपी झूठ बोल रही है। राहुल गांधी ने ये कभी नहीं कहा कि अमेरिक और यूरोप को इस मामले में दखल देना चाहिए। ये बात सही है कि राहुल ने ये बात नहीं कही। राहुल से सवाल पूछा गया था कि अगर भारत में लोकतन्त्र खत्म हो रहा है तो इसको बचाने के लिए यूरोपीय देश कैसे मदद कर सकते हैं। राहुल ने जबाव दिया था कि कोई मदद नहीं कर सकता। ये हमारा आंतरिक मसला है हम खुद ही इसका हल निकलेंगे। लेकिन इससे पहले एक प्रोग्राम में राहुल ने कहा था कि भारत में लोकतन्त्र को खत्म किया जा रहा है और उन्हें हैरानी इस बात पर है कि अमेरिका और यूरोपीय देश कुछ नहीं बल रहे हैं क्योंकि उन्हें अपने व्यापार की चिन्ता है। बीजेपी ने इसी को पकड़ा और मुद्दा बना दिया। कांग्रेस के लोग मीडिया पर इस बात का इल्जाम लगा सकते हैं कि उन्होंने हकीकत नहीं दिखाई, रहुल गांधी का पूरा बयान नहीं सुनवाया। लेकिन इसका जबाव ये है कि मामला सियासी है। बीजेपी ने हमला कियएया तो उसका जबाव देने की जिम्मेदारी कांग्रेस की है। कांग्रेस भी उतने ही एग्रेसिव और पुरजोर तरीके से जबाव देती। अपनी बात पूरी ताकत से कहती लेकिन कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता बीजेपी के आरोपों का जबाव देने में ही लगे रहे। आरोप के जबाव में राहुल का पूरा बयान दिखाने के बजाए वो इल्जाम लगाने में लगे रहे कि प्रधानमंत्री मोदी ने भी विदेश में जाकर ये कहा था, वो कहा था। इससे ऐसा लगा जैसे राहुल ने वाकई में मोदी को हटाने में विदेशों से मदद मांगी है।

राजनीति में परशेप्शन का बड़ा खेल होता है। राहुल गांधी के बारे में लोगों ये मान चुके हैं कि वो कहीं भी, कभी भी और कुछ भी बोल सकते हैं। कांग्रेस राहुल की इस इमेज के लिए बीजेपी के डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट को दोष दे सकती है। लेकिन आईटी सेल तो कांग्रेस के पास भी है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तो कांग्रेस के पास भी है। लेकिन हकीकत यही है कि कांग्रेस इस मामले में बीजेपी का मुकाबला नहीं कर पा रही है। कांग्रेस के सामने दोहरी चुनौती है। एक तो सरकार को घेरना है, मोदी की छवि को तोड़ना है और राहुल का मेक ओवर करना है । लेकिन बार बार राहुल गांधी ही कांग्रेस के नेताओं का काम बढ़ा देते हैं। अब बीजेपी के नेता कह रहे हैं कि भारत जोड़ो यात्रा मेकओवर के लिए थी और ये विदेश यात्रा गेम ओवर साबित होगी।

विदेशी धरती से घरेलू सियासत ठीक नहीं

प्रसंगवश

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के जज बिजनेस स्कूल में '21वीं सदी में सुनना सीखना' विषय पर अपनी विवादस्पद तक़रीर में भारत की आंतरिक राजनीति के गहन अंतरद्वंदों का विकट परचम लहरा दिया। राहुल ने आधुनिक इतिहास पर विहंगम दृष्टि डालते हुए द्वितीय विश्वयुद्ध और 1991 में सोवियत संघ के पराभव के तत्पश्चात उभरे विश्व पटल पर अमेरिका और चीन की द्वंदात्मक तुलना भी कर डाली। विदेश की धरती पर भारतीय राजनीति के विकट अंतरविरोधों और कटुताओं का उल्लेख का करना कितना उचित है और कितना अनुचित है, इस पर गहन विचार विमर्श की अत्यंत आवश्यकता है। क्या भारतीय राजनेताओं का वैचारिक स्तर इतना अधोपतित हो गया है कि वह अपने ही पुरुखों द्वारा अंजाम दिए शानदार राजनीतिक और कूटनीतिक आचरण के इतिहास को विस्मृत कर बैठे हैं। 1977 के आम चुनाव में काँग्रेस पार्टी की पराजय के पश्चात जब इंदिरा गाँधी इंग्लैड गई तो एक प्रेस कॉंफ्रेंस में उनसे मुरारजी देसाई हुकूमत द्वारा उनके विरुद्ध जारी कानूनी कार्यवाही के विषय में एक प्रश्न किया गया, जिसके प्रतिउत्तर में इंदिरा गाँधी ने फरमाया था कि वह यहाँ पर भारत की आंतरिक राजनीति पर कोई बयान देने नहीं आई हूँ। इंदिरा गाँधी की शानदार राजनीतिक और कूटनीतिक विरासत पर अपना दावा पेश करने वाले काँग्रेस का पूर्व अध्यक्ष राहुल गाँधी इस ऐतिहासिक ज्ञान ध्यान से क्या पूर्णतः वंचित हैं?

राहुल गाँधी ही नहीं वरन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी विदेशों की धरती पर भारतीय राजनीति के ऐतिहासिक अंतरविरोधों का उल्लेख करते हुए प्रायः ऐसी ही कूटनीतिक गलतियाँ अंजाम देते रहे हैं। 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नरसिम्माराव ने विपक्ष के लीडर अटल बिहारी वाजपेई को कश्मीर विवाद के विषय में संयुक्त राष्ट्र के पटल पर भारत का पक्ष प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्र का कूटनीतिक प्रतिनिधि बनाकर भेजा था। आज के भारतीय राजनेता विदेश की धरती पर भारतीय राजनीति की इस ऐतिहासिक शक्तिशाली कूटनीतिक परंपरा को एकदम विस्मृत कर बैठे हैं। भारतीय राजनीति के प्रबल अंतरविरोधों का विदेशों में जाकर बखान करना और फिर अपनी जग हँसाई कराना तो आजकल भारतीय राजनेताओं का शगल बन चुका है।

विस्तारवादी चाल और चरित्र के राष्ट्र चीन को शांति और सद्भानापूर्ण राष्ट्र करार देकर आखिरकार राहुल गाँधी दुनिया को एकदम झूठा और बेबुनियाद पैगाम क्यों देना चाहते हैं? चीन वस्तुतः भारत से बड़ी अर्थव्यस्था है, अतः चीन से भारत युद्ध नहीं कर सकता हैं। ऐसा कमजोर कूटनीतिक बयान देकर विदेश मंत्री एस जयशंकर आखिरकार क्या साबित करना चाहते हैं? भारत यक़ीनन शांति प्रिय राष्ट्र है, किंतु विस्तारवादी चीन के किसी आक्रमण का मुंहतोड़ जवाब के लिए एकदम तैयार भी है और सक्षम भी है। चीन की झूठी तारीफ करके और

उसके मुकाबले में अमेरिका की निंदा करके राहुल गाँधी कैसी अनोखी कूटनीतिक कुशलता का परिचय पेश कर रहे हैं। यह अमेरिका ही था, जोकि 1962 में चीन के भीषण आक्रमण के वक्त सबसे पहले भारत के पक्ष में आकर खड़ा हुआ था और ना केवल खड़ा हुआ था, बल्कि उसने भारत को प्रबल सैन्य सहायता भी प्रदान की थी। चीन की प्रबल प्रशंसा अंजाम देकर और अमेरिका की कूटनीतिक मुखालिफत अंजाम देकर राहुल गाँधी भारत की कौन सी कूटनीतिक सेवा अंजाम दे रहे हैं? राहुल गाँधी का यह उसी कोटि का कूटनीतिक ब्लंडर है, जैसा कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनॉल्ड ट्रंप का अंधसमर्थन करके नरेंद्र मोदी ने अंजाम दिया था।

विदेशों की धरती पर भारत के वैभवशाली और शानदार जनतंत्र को बदनाम करके आखिरकार किसी भारतीय राजनेता को क्या हासिल हो जाएगा? भारतीय जनतंत्र की समस्त खामियों को दुरुस्त करने की संपूर्ण कवायद तो देश के अंदर ही अंजाम देनी चाहिए। राहुल गाँधी विदेशी धरती पर भारतीय जनतंत्र के हनन होने के तथ्य पेश कर रहे हैं। वस्तुतः उसके हनन के लिए सबसे अधिक उत्तरदायी स्वयं उनकी अपनी पार्टी काँग्रेस रही है, जिसने 1975 के जून 25 को भारतीय जनतंत्र पर सबसे प्रबल आघात अंजाम दिया था। भारत के बुनियादी संवैधानिक ढ़ाचे को क्षतिग्रस्त करने का संगीन इल्जाम राहुल गाँधी नरेंद्र मोदी हुकूमत पर आयद कर रहे हैं, पर काँग्रेस पार्टी में कितना कुछ आंतरिक जनतंत्र विद्यमान रहा है, समस्त देश और दुनिया भली भांति जानती है। राहुल गाँधी सबसे पहले अपनी पार्टी में आंतरिक जनतंत्र की पुनर्स्थापना अंजाम दें, फिर उसके पश्चात भारतीय जनतंत्र को नष्ट किए जाने की दुहाई पेश करें।

विश्व पटल पर प्रत्येक राष्ट्र की शासन प्रणाली में कुछ ना कुछ त्रुटियाँ और खामियां विद्यमान रही हैं। भारतीय जनतंत्र तो केवल 75 वर्ष पुराना है, जबकि विश्वपटल पर सैकड़ों वर्ष पुराने जनतंत्र विद्यमान है, जोकि अनेक खामियों से सराबोर रहे हैं। हमारे जनतंत्र की खामियों को भारतवासियों और उसके राजनेताओं को खुद ही निपटाना होगा और कोई विदेशी शक्ति इस परम पुनीत कार्य में हमारी इमदाद करने के लिए कदापि आगे नहीं आएगी। राहुल गांधी को भलीभांति यह बात समझनी चाहिए। सर्वविदित है कि भारतीय राजनीति कभी अपराधीकरण से प्रभावित रही है तो कभी कॉरपोरेट के साये में रही है। इन कमियों से कारगर तौर पर निपटने के लिए जो प्रबल राजनीतिक व प्रशासनिक इच्छा शक्ति चाहिए उसका आभाव हमारी राजनेताओं में रहा है। जाँच ऐजेंसियों को समुचित स्वतंत्रता को ना तो काँग्रेस हुकूमत प्रदान कर सकी थी और ना ही वर्तमान हुकूमत ऐसी कोई सार्थक पहल कर सकी है। सभी सुधार ठंडे बस्ते में है।

किसी भी कामयाब जनतंत्र का प्रथम लक्षण है कि वहाँ शक्तिशाली विधायिका विद्यमान है, जोकि हुकूमत का सृजन करती है। सफल जनतंत्र की विधायिका नृशंस अपराधियों और धनकुबेरों के प्रभाव से पूर्णतः मुक्त होती है। भारतीय जनतंत्र के हालत हैं कि 220 से अधिक दागी व्यक्ति वर्तमान संसद में विराजमान है और चुनाव पर धनकुबेरों की अकूत दौलत का वर्चस्व स्थापित हो चुका है। दूसरा लक्षण है शक्तिशाली और स्वतंत्र न्याय व्यवस्था जिस मुल्क में चार करोड़ मुकदमे न्यायालयों लंबित पड़े हो तो फिर न्याय की क्या गति होगी। तीसरा लक्षण है स्वतंत्र मीडिया जिसके विषय में कुछ भी कहना ठीक नहीं, लेकिन मीडिया दबाव में प्रतीत होता है और इसके भी धनतंत्र की गिरफ्त में होने के खतरे बढ़े हैं। भारतीय जनतंत्र के इस अधोपतन के लिए भारत की संपूर्ण राजनीतिक संस्कृति जिम्मेदार है। आज के समय में राहुल गांधी को सुधार के एजेंडे देश के सामने रखने चाहिए। विदेशी धरती से घरेलू राजनीति नहीं का जा सकती है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

मोबाइल कनेक्टिविटी होगी सुलभ बीएसएनएल को नि:शुल्क भूमि हुआ आवंटन

गरीबों का सितारा

जयपुर। जिले के मोबाइल नेटवर्क से वंचित गांवों में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए जिला कलक्टर श्री प्रकाश राजपुरोहित ने 4जी टावर्स की स्थापना के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को 23 गांवों में भूमि का नि:शुल्क आवंटन किया है। राज्य सरकार से प्राप्त स्वीकृति की अनुपालना में जिला कलक्टर ने मोबाइल टावर्स की स्थापना के लिए प्रत्येक स्थान पर अधिकतम 2000 वर्गफुट भूमि का आवंटन किया है। जिला कलेक्टर ने बताया कि फागी तहसील के गांव देवनगर एवं सवाई जयसिंहपुरा में चाकसू तहसील के गांव मोहम्मदपुरा एवं सावलिया में, जमवारामगढ़ तहसील के गांव दन्तालागुजरान एवं भीमावास में, विराटनगर तहसील के गांव बिहाजर में, शाहपुरा तहसील के गांव कुम्भावास, लाडपुरा एवं छारसा में, फुलेरा तहसील के गांव डोईपुरा, कोटखावदा तहसील के गांव केशोपुरा एवं कोटपूतली तहसील के गांव हसनपुरा में भूमि का आवंटन किया गया है। वहीं पावटा तहसील के गांव आदर्शनगर, कैमरिया, सिंतोषसिंहपुरा, विराटनगर तहसील के गांव कुराड़ा, कराठ, दौलापुरा, मठकुण्डाल, चेचावाला एवं धोलीकोठी और चौमूं तहसील के गांव कालाडेरा में भी मोबाइल टावर्स की स्थापना के लिए भूमि का नि:शुल्क आवंटन किया गया है। जिला कलेक्टर ने बताया कि भूमि का आवंटन 99 वर्ष की अवधि के लिए किया गया है, 99 वर्ष के पश्चात पुनरावलोकन कर यदि भूमि का उचित उपयोग होना पाया जाएगा तो आवंटन का नवीनीकरण किया जा सकेगा। आवंटित भूमि राज्य सरकार में निहित होगी, तथा आवंटी को भूमि का विक्रय, अंतरण, रहन, दान आदि करने का कोई अधिकार नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधान महाप्रबंधक बीएसएनएल, जयपुर द्वारा जिले में मोबाइल टावर्स की स्थापित करने के लिए भूमि आवंटन की मांग किये जाने पर उपखण्ड अधिकारियों से भूमि आवंटन के लिए प्रस्ताव प्राप्त किये गए थे।

मोबाइल नेटवर्क से वंचित 23 गांवों में 4जी टावर्स की स्थापना के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड को नि:शुल्क भूमि किया आवंटन

राजस्थान जुडो चैंपियनशिप में रामपुरा जूडो सेंटर का दबदबा

चार स्वर्ण व एक कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

गरीबों का सितारा

खंडेला (अरविन्द कुमार)। प्रदेश के श्री गंगानगर में आयोजित हो रही राजस्थान स्टेट सब जूनियर जुडो चैंपियनशिप में खंडेला के रामपुरा जूडो सेंटर के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, कोच सरिता सैनी के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में चार स्वर्ण व एक कांस्य पदक पर कब्जा किया। कोच सरिता सैनी ने बताया कि चैंपियनशिप में 28 किलोग्राम में कृतिका कुमावत, 32 किलोग्राम में रीना सैनी, 36 किलोग्राम में ज्योति सैनी व 40 किलोग्राम में नितेश सैनी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया वहीं 48 किलोग्राम वजन प्रतियोगिता में प्रियांशु सैनी ने कांस्य पदक प्राप्त कर जूडो सेंटर सहित जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के दौरान बालिका वर्ग में सीकर जिले ने चैंपियनशिप प्राप्त की। कोच सरिता सैनी सहित सभी विजेता खिलाड़ियों को क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित आमजन ने बधाइयां प्रेषित की। वहीं खंडेला के रामपुरा में घर-घर मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाई गई।

जूनागढ़ में राजमाता सुशीला कुमारी के दर्शनार्थ लोग उमड़े

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। बीकानेर के जूनागढ़ किले में राजमाता सुशीला कुमारी की पार्थिव देह अंतिम दर्शनार्थ रखी गई है। आज बीकानेर राजपरिवार की सदस्य राज्यश्री कुमारी, सिद्धि कुमारी आदि ने पुष्प अर्पित किए। इस दौरान कर्नल देवनाथ सिंह, हनुवंत सिंह, गोविंद सिंह, अजित सिंह, मोहिराज सिंह, नरेंद्र सिंह, प्रेम अग्रवाल, लालजी अग्रवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे। जूनागढ़ में आज दिनभर अंतिम दर्शन के लिए लोगो की भीड़ रही। अंतिम यात्रा जूनागढ़ से रविवार को देवीकुंड सागर के लिए रवाना होगी।

गौड़ ब्राह्मण सभा में शपथग्रहण समारोह

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। गौड़ ब्राह्मण सभा बीकानेर के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री अजय गौड़ एवं उनकी कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह माननीय श्रीमान् महेश शर्मा अध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड राजस्थान सरकार के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 11.03.2023 को सुबह 11.15 बजे गौड़ ब्राह्मण सभा भवन रानीबाजार, बीकानेर में रखा गया है। शपथग्रहण कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मानमल शर्मा अध्यक्ष नगर पालिका श्रीडूंगरगढ़ करेंगे । निवर्तमान अध्यक्ष श्री हेतराम गौड़ ने बताया कि समारोह एवं सहभोज समाज के वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा, जिसमें समाज के सभी गणमान्य सादर आमंत्रित है ।

प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय सीकर ने मनाया होली स्नेह मिलन और सम्मान समारोह

गरीबों का सितारा

साधना सेठी, सीकर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय सीकर सेवा केंद्र के द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तथा होली स्नेह मिलन का कार्यक्रम इंडस्ट्रियल एरिया में सामुदायिक भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।सीकर सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी के सानिध्य में भव्य आयोजन समारोह किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहे ।दीदी ने नारी के मूल्य पर प्रकाश डालते हुए नारी में स्नेह, त्याग ,प्रेम, और समर्पण, की प्रति मुरत है। उसमें देने की भावना है । कार्यक्रम में गोपी दीदी तथा स्वाति बहन वनिता बहन ने महिलाओं के विषय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुनीश (सहायक जिला कलेक्टर)१ डॉक्टर गार्गी शर्मा जी (अतिरिक्त निर्देशक बाल और महिला अधिकार विभाग सीकर)३श्रीमती सरयू जी (एनाटॉमी विभाग अध्यक्ष),(एस के मेडिकल कॉलेज सीकर) इन्होंने पैनल डिस्कशन के द्वारा महिलाओं के समस्या का समाधान किया गया ब्रह्माकुमारी संस्था ने समाजसेवी महिलाओं को सम्मानित किया गया। मेहमानों को स्मृति चिन्ह भेंट कर होली पर्व मनाया गया नरेश भाई ने कुशलतापूर्वक मंच संचालन किया मंजू खेतान और विमला खंडेलवाल जी ने तथा अन्य महिलाओं की सहभाग से कार्यक्रम कुशलतापूर्वक सफल रहा। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा समा को बांध लिया।

जैनाचार्य विजयराज महाराज का चातुर्मास रतलाम होगा हुरडा में हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर लिया आशीर्वचन

गरीबों का सितारा

गुलाबपुरा/ रामकिशन वैष्णव। जैनाचार्य श्री विजयराज महाराज का चातुर्मास रतलाम में होगा ! जैनाचार्य के साथ उपाध्याय प्रवर जितेश मुनि का भी रतलाम घोषित ! देश भर में विचरण कर रहे संत सती वर्ग के वर्षा वासों की घोषणा, हुरडा में हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु भगवंतो के दर्शन कर लिया आशीर्वचन ! जैन जगत की दिव्य विभूति प्रवचन प्रभाकर संयम सुमेरू जैनाचार्य प्रवर श्री विजयराज जी म सा का आगामी चातुर्मास मध्यप्रदेश के रतलाम शहर में होगा उनके साथ संघ के उपाध्याय प्रवर श्री जितेश मुनि जी का भी चातुर्मास होगा। श्री अखिल भारतीय साधुमार्गी शांत क्रांति जैन युवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री प्रकाश जैन ने बताया कि उक्त आशय की घोषणा स्वयं जैनाचार्य प्रवर श्री विजयराज महाराज ने एक विराट धर्म सभा में देश भर से आए हजारों श्रद्धालु श्रावक श्राविकाओं के मध्य की। घोषणा का वंदे वीरम वंदे वीरम से हुआ स्वागत, जैसे ही नानेश पट्टधर जैनाचार्य प्रवर श्री विजय गुरुदेव ने अपने मुखारविंद से अपने आगामी चातुर्मास की घोषणा रतलाम में की पूरा पंडाल प्रभु महावीर नाना गुरु विजय गुरु की जय जयकारों से गूंज उठा तो घोषणा का वंदे वीरम वंदे वीरम हर्ष हर्ष जय जय के उदघोषो से स्वागत कर श्रद्धालुओं ने वंदन नमन कर अभिनंदन किया। जैनाचार्य प्रवर अपने शिष्य समुदाय सहित ग्राम हुरडा में एक सप्ताह से प्रवासरत है। देश भर में जैन धमार्लीबियो में उनके आगामी चातुर्मास जयपुर उदयपुर ब्यावर होने के कयास व संभावना लगाई जा रही थी ।लेकिन जैनाचार्य ने सभी के कयासों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए समस्त आगारों के साथ रतलाम वर्षावास करने की घोषणा कर श्रद्धालुओं को अचंभित कर दिया। जैनाचार्य प्रवर के इस छोटे से गांव में होली चातुर्मास को लेकर पूरे गांव में उत्साह नजर आया। गांव में मेले जैसा नजारा लगा। जैनाचार्य प्रवर के दिव्य दर्शनों व उनकी एक झलक पाने को श्रद्धालु खूब आतुर दिखे। जैनाचार्य प्रवर ने संघ के वरिष्ठ संत प्रेम मुनि का सुरत,संत पारस मुनि का मंदसौर, विनोद मुनि का दिल्ली पश्चिम,संत नवीनप्रज्ञ मुनि व वरिष्ठ महासती सूर्यकांताश्री का उदयपुर, वरिष्ठ महासती प्रभावती श्री का रतलाम,वरिष्ठ महासती वसुमतीश्री का फतहनगर, महासती पुष्पावतीश्री का बीकानेर, महासती पारसकंवरश्री का सरवानिया महाराज, महासती विजय लक्ष्मीश्री का केकड़ी, महासति राजश्री का ब्यावर,महासती नेहाश्री का जयपुर, महासती मृदुलाश्री का ताल,महासती मयंकमणिश्री का सुरत, महासती स्वर्णप्रभाश्री का बैंगलोर,महासती रेखाश्री का नागदा व महासती वैभवश्री का छनेरा मध्य प्रदेश चतुर्मास की घोषणा की गई। संघ के प्रवक्ता मनीष जैन के अनुसार संयम सुमेरू जैनाचार्य प्रवर ने महावीर जयंती पुर (भीलवाड़ा) व आखातीज के पारणा महोत्सव की स्वीकृति चितौड़गढ़ संघ को दी। वहीं संघ के गणाधिपति श्री शांति मुनि महाराज की पहली पुण्य तिथि पर उनके सांसारिक गांव भदेसर में एक दिव्य महोत्सव के रूप में मनाने की घोषणा की। होली चातुर्मास के इस मौके पर देश के विभिन्न कोनों से हजारों श्रावक श्राविकाओं के संघ के प्रमुखों ने शिरकत की।

गूँती में पुस्तकालय निर्माण के लिए 5 लाख की घोषणा

गरीबो का सितारा

वी.पी.मीणा बहरोड़। सांसद महंत बालक नाथ योगी ने अपने कार्यकताओं के साथ शनिवार को ग्रामीण चौपाल के दौरे किए। जिसमें गादोज गांव में निजी स्कूल कार्यक्रम व डिंडोर गाँव के मुख्यद्वार व भण्डारे कार्यक्रम में सम्मित हुए। गूँती चौपाल में ग्रामीणों की मांग पर सांसद कोटे से बाबा चतुरदास मंदिर प्रांगण में स्थित पुस्तकालय विकास निर्माण के लिए 5 लाख रुपए की घोषणा की गई। साथ ही भामाशाह के सहयोग से सहयोग करवाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को धन्यवाद देते हुए सांसद ने बताया कि आप सभी युवाओं ने मिलकर एक सुंदर पुस्तकालय भवन का निर्माण किया है। शिक्षा जगत में आप क्षेत्र के लिए प्रेरणा के रूप में कार्य कर रहे हैं। इसका फल आप सभी को मिलेगा। इस दौरान डॉ. नीलम यादव, पूर्व पार्षद महेंद्र यादव, अध्यक्ष संजय मीर, सुनील यादव जिला पार्षद, नेताप्रतिपक्ष ओम यादव, बलवान यादव, रोहिताश यादव, मुरारीलाल यादव, सरजीत यादव सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

इंदिरा महिला शक्ति प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह हुआ आयोजित

महिला एवं बालिका विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हुआ सम्मान

गरीबों का सितारा

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत शनिवार को जिला परिषद सभागार

में जिला स्तरीय इंदिरा महिला शक्ति प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिला प्रशासन एवं जिला महिला अधिकारिता कार्यालय के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में महिला एवं बालिका विकास के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं एवं शख्सियतों का सम्मान किया गया। समारोह में इनाया फाउंडेशन को प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया, वहीं सरिता योगा को द्वितीय एवं एकादशी फाउंडेशन को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मानित हुई संस्थाओं और शख्सियतों को नगद पुरस्कार के साथ-साथ स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए।इस अवसर पर उपनिदेशक महिला अधिकारिता डॉ. राजेश डोगीवाल ने उड़ान योजना में जनजागरुकता में अहम भूमिका निभाने के लिए गरिमा शर्मा, पारुल एवं डॉ. श्रद्धा का भी सम्मान किया। वहीं, महिला एवं बाल विकास विभाग की एक साथिन, एक कार्यकर्ता, एक सहयोगिनी, एक सहायिका को भी 11-11 हजार रुपये के नगद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में संरक्षण अधिकारी अनिरुद्ध शर्मा जितेन्द्र शर्मा, उत्सव शर्मा, अनुष्का सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

कुवैत शेक ने की बालाजी गोशाला संस्थान में की गौसेवा

गरीबों का सितारा

सीकर, साधना सेठी । सालासर में बालाजी गोशाला संस्थान में आज कुवैत शैक अब्दुल मुतला ने गायों की सेवा की हरा चारा खिलाया पक्षियों को दाना डाला। बालाजी गोशाला संस्थान से पुजारी रविशंकर ने बताया की कुवैत शेक ने की बालाजी गोशाला संस्थान में की गौसेवा। सालासर में बालाजी गोशाला संस्थान में आज कुवैत शैक अब्दुल मुतला ने गायों की सेवा की हरा चारा खिलाया पक्षियों को दाना डाला। बालाजी गोशाला संस्थान से पुजारी रविशंकर ने बताया की अनादिकालसे मानवजाति गोमाता की सेवा कर अपने जीवन को सुखी, समृद्ध, निरोग, एश्वर्यवान एवं सौभाग्यशाली बनाती चली रही है। गोमाता की सेवा के महात्मय से शास्त्र भरे पड़े हैं। ऐसे में हमें गौ सेवा को महत्व देना चाहिए। तीर्थ स्थानों में जाकर स्नान दान से जो पुण्य प्राप्त होता है, ब्राह्मणों को भोजन कराने से जिस पुण्य की प्राप्ति होती है, संपूर्ण व्रत-उपवास,

तपस्या, महादान तथा हरि की आराधना करने पर जो पुण्य प्राप्त होता है, संपूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा, संपूर्ण वेदों के पढ़ने तथा समस्त यज्ञों के करने से मनुष्य जिस पुण्य को पाता है, वही पुण्य बुद्धिमान पुरुष गौ माता को घास खिलाकर प्राप्त कर लेता है। जो पुरुष गौ की सेवा और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौ माता उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गाय के दूध, दही, घी, गोबर रस, गोमूत्र का एक निश्चित अनुपात में मिश्रण पंचगव्य कहलाता है। पंचगव्य का सेवन करने से मनुष्य के समस्त पाप उसी प्रकार भस्म हो जाते हैं। कुवैत शेख द्वारा गोशाला के कार्यों की सराहना की गई।

बिजली विभाग लापरवाह...

एस आई स्कूल में हाईवोल्टेज करंट दौडा, लाखों के कम्प्यूटर उपकरण खराब

8 माह में दूसरी बार बड़ा नुकसान, मुआवजे की मांग तेज

गरीबों का सितारा

हिंगोनियां। कस्बे की एस आई चिल्ड्रन एकेडमी सी. सै. स्कूल एवं कम्प्यूटर कॉलेज हिंगोनियां में शुक्रवार को दिन के साढ़े ग्यारह बजे एक बार फिर हाई वोल्टेज करंट आया जिससे सम्पूर्ण कम्प्यूटर लैब के कम्प्यूटर, सर्वर कम्प्यूटर, पंखे एवं बल्ब आदि जलने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। संस्था

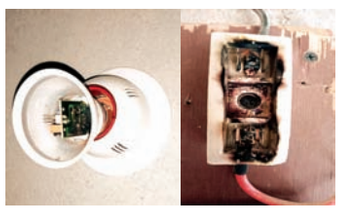

निदेशक एवं प्रधानाचार्य एस एल कुमावत ने बताया कि 15 अगस्त 2022 को भी हाई वोल्टेज करंट आने से 5 लाख रुपए का नुकासान हो गया था, जिसका विद्युत विभाग से फूटी कौड़ी भी मुआवजा नहीं मिला बल्कि आठ माह में दूसरी बार फिर हाईवोल्टेज आने से लगभग ढाई लाख रुपए का नुकसान हो गया। कुमावत ने बताया कि डीपी आँवरलॉड में है, सर्विस एलटी लाईन पुरानी एवं कटी फटी है जिसमें कई जगह जॉइन्ट हो रखे हैं तथा संस्था से काफी दूर है। संस्था के कनेक्शन की एलटी लाईन हिंगोनियां-करणसर मुख्य सड़क को पार करते हुए आती है। जहां से हाई टेंशन लाईनों का जाल बना हुआ है। जिससे कई बार इन्सूलेटर पंचर हो चुके हैं। डीपी का ग्राउण्ड अर्थ खराब है। कुमावत ने बताया कि अब भी 255 से 265 वोल्टेज आ रहा है जो इलैक्ट्रोनिक उपकरणों के लिए ठीक नहीं है। संस्था निदेशक ने बताया कि जोबनेर थाने में एवं पुलिस चैकी हिंगोनियां में प्रथम सूचना दर्ज करवा दी है, साथ ही विद्युत विभाग जेईएन व एईएन जोबनेर को सूचित कर लाईन को ठीक करवाने की कार्यवाही सुनिश्चित कर आये दिन की परेशानी से निजात दिलाने एवं संस्था के नुकसान की भरपाई की मांग की है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

राजमाता सुशीला कुमारी का निधन, शनिवार को जूनागढ़ में दर्शन, रविवार को होगा अंतिम संस्कार

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। बीकानेर राजपरिवार की अंतिम महारानी और राजमाता सुशीला कुमारी का शुक्रवार देर रात लालगढ़ स्थित अपने आवास पर निधन हो गया। उन्हें पीबीएम अस्पताल के हल्दीराम अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक वो दम तोड़ चुकी थी।सुशीलाकुमारी का अंतिम संस्कार रविवार को सागर गांव में स्थित राजपरिवार के श्मसान घाट पर किया जाएगा। इससे पहले शनिवार को जूनागढ़ में उनकी पार्थिव देह आम लोगों के दर्शन के लिए रखी गई। राजपरिवार की रीति नीति के तहत ही उनका अंतिम संस्कार होगा। राजमाता सुशीला कुमारी की पोती और बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी देर रात अस्पताल पहुंच गई थी।जहां दादी के निधन का समाचार सुनकर वो वापस लौट गई। सिद्धि कुमारी को अपनी दादी से अत्यंत लगाव रहा।

1950 में बनी महारानी

देश की आजादी के बाद भी राजतंत्र की परंपराओं का निर्वाह होता रहा था। ऐसे में वर्ष 1950 में महाराजा सार्दुल सिंह के पुत्र राजकुमार करणी सिंह का राज्याभिषेक किया गया था। उसी समय सुशीला कुमारी को महारानी का सम्मान मिला।वर्ष 1971 में जब पीवी पर्स जैसी व्यवस्था समाप्त हो गई तब तक वो महारानी रही। महाराजा करणी सिंह के निधन के बाद उन्हें राजमाता के रूप में स्वीकार किया गया। पूर्व राजपरिवार

सहित बीकानेर में आम आदमी उन्हें राजमाता के रूप में ही संबोधित करता रहा। छह सितम्बर 1988 को महाराजा करणी सिंह के निधन के बाद से राजपरिवार की सारी व्यवस्था सुशीला कुमारी ही संभालती रही।

राजशाही और लोकतंत्र दोनों में सक्रिय

सुशीला कुमारी का जन्म 1929 में हुआ था।राजसिंह डूंगरपुर की बहन सुशीला कुमारी का जन्म डूंगरपुर राज परिवार में हुआ। उनका विवाह बीकानेर राजपरिवार में हुआ। देश की आजादी से पहले वो महारानी रही। इसके बाद महाराजा करणी सिंह बीकानेर से 1952 से 1977 तक सांसद रहे।ऐसे में सुशीला कुमारी ने लोकतंत्र में भी महत्ती भूमिका निभाई। अब उनकी पोती सिद्धि कुमारी बीकानेर पूर्व से पिछले तीन चुनावों में लगातार विधायक है।

राजस्थानी की पैरोकार

खास बात ये थी कि सुशीलाकुमारी से मिलने वालों से राजस्थानी में ही बात करती थी। अगर कोई गलती से भी उनके आगे हिन्दी या अंग्रेजी में बात करता तो वो पूछ लेती थी कि राजस्थानी नहीं आती क्या? खासकर बीकानेर के स्थानीय लोगों से वो राजस्थानी में ही बात करना पसन्द करती थी। अब उनकी पोती सिद्धि कुमारी भी राजस्थानी में ही बात करती है।

अर्से से बीमार थी

राजमाता पिछले कई सालों से अस्वस्थ थी। उन्होंने आम लोगों से मिलना बंद कर दिया था। अस्वस्थता के बीच वो सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन जरूर करती थी।बीकानेर के पुष्करणा समाज के सावे की अनुमति देना हो या फिर कोई अन्य राजपरिवार कार्य हो, सुशीला कुमारी स्वयं मिलती थी।

आस्था के दर पर चोरों ने बोला धावा ग्रामीणों ने की पुलिस गश्त लगाने की मांग

गरीबों का सितारा

रींगस (अरविन्द कुमार)। रींगस कस्बे के निकटवर्ती गांव गुढ़ा में बीती रात 2 मंदिरों में अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया लेकिन एक मंदिर का किवाड़ तोड़ने के बाद चैनल गेट का ताला नहीं टूटने पर चोर चोरी करने में नाकाम हो गए। मंदिर पुजारी चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि गुढ़ा गांव में स्थित आस्था का केंद्र माताजी मंदिर में अज्ञात चोरों ने किवाड़ तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया लेकिन चैनल गेट का ताला नहीं टूटने पर चोर घटना को अंजाम देने में विफल हो गए, वहीं गांव में ही स्थित भोमिया जी मंदिर का ताला तोड़कर दान राशि व पूजा सामग्री चोरी करके ले गए।घटना के बाद ग्रामीणों में पुलिस कार्यशैली को लेकर रोष व्याप्त है।थाना क्षेत्र में बढ़ रही चोरियों के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर गांव में पुलिस गश्त लगाने की मांग की।

चुनावी रंजिश को लेकर हुए हमले में मुंशी की मौत हमलावर अधिवक्ता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

गरीबों का सितारा

रींगस (अरविन्द कुमार)। सीकर जिले के श्रीमाधोपुर में हुए बार एसोसिएशन के चुनाव परिणाम के बाद रींगस की मनवार होटल पर भोजन पार्टी कर रहे विजेता पक्ष के वकीलों पर जान से मारने की नियत से अधिवक्ता सतवीर घोसल्या द्वारा स्कॉर्पियो गाड़ी चढ़ाई गई, हमले में घायल हुए मुंशी नंदकिशोर टेलर की देर रात जयपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई वहीं दूसरे घायल अधिवक्ता रामजीलाल सैनी का उपचार चल रहा है। मुंशी नंदकिशोर टेलर का शव रींगस सीएचसी की मोर्चरी में लाया गया जहां पर श्रीमाधोपुर व रींगस के वकीलों सहित आमजन इकट्ठे हो गए। किसी भी प्रकार के तनाव की स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस

जाब्ता तैनात किया गया। प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की समझाइश के बाद मुंशी नंदकिशोर टेलर के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के लिए सहमति बनी। वही नवनिर्वाचित श्रीमाधोपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश शेखावत का कहना है कि हमलावर अधिवक्ता के द्वारा पूर्व नियोजित तरीके से हमला किया गया, हत्या के षड्यंत्र में शामिल सभी लोगों की पहचान करके पुलिस कार्रवाई की मांग की गई। हमलावर अधिवक्ता सतवीर घोसल्या के द्वारा हमले से पहले निवर्तमान महासचिव एडवोकेट रामजीलाल सैनी के फोन पर धमकियां दी गई। आपको बता दें कि हमले के बाद एडवोकेट सतवीर फरार चल रहा है जिस को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें बनाकर दबिश दी जा रही है।

श्री शिवशक्ति साई मंदिर आश्रम टहटड़ा की असीम कृपा से बोरिंग में हुआ मनभावन पानी : कल्लू जोगी चीमापुरा

श्री शिवशक्ति साई बाबा के आशिर्वाद से यह बोरिंग 26 वा बोरिंग कराया है और सभी में खूब जोरदार पानी हुआ है : सेवक शिवलाल बैरवा (फौजी)

गरीबों का सितारा

रैणी (अलवर), महेश चन्द मीना। अलवर के रैणी उपखण्ड की भजेड़ा पंचायत के चीमापुरा गांव मे शुक्रवार की शाम को कल्लु जोगी के खेत पर कराई गई बोरिंग मे बहुत जोरदार अच्छा व मीठा पानी हो गया है जिससे कल्लु जोगी के परिवार सहित सारे गांव मे प्रसन्नता की लहर छा गई है क्योंकि इस गांव मे पीने का मीठा पानी तो है ही नही इसलिए सभी आमजन को भी आशा हुई है कि हमारे यहा पर मीठा पानी मिलने से कम से कम पीने का तो काम चलेगा ही इसको लेकर सर्वसमाज के सभी आमजन खुश है। इधर मिडिया ने जब इस सम्बन्ध मे कल्लु जोगी के परिवार से जानकारी चाही तो मिडिया को बताया है कि हमने 08 मार्च को श्री शिव शक्ति साई धाम मंदिर टहटड़ा मे बाबा के मंदिर पर बोरिंग मे पानी के लिए अर्जी लगाई थी जो हमारी इच्छा पूर्ति कर दी है और हमारी बोरिंग मे पानी होने का श्रेय हम तो सिर्फ और सिर्फ साई मंदिर आश्रम टहटड़ा की ही देन मानते है क्योंकि हमे जैसे

जैसे बाबा ने बताया था वैसे वैसे ही सारी बाते मिली है यह कहना है कल्लु जोगी व कल्लु जोगी के परिवार का। उधर श्री शिव शक्ति साई मंदिर आश्रम टहटड़ा के सेवक शिवलाल बैरवा(फौजी) ने भी मिडिया को यही जानकारी दी है कि यह बाबा का ही आशिर्वाद है और गरीब किसान भक्त ने 08 मार्च को बाबा के मंदिर पर पानी के लिए अर्जी लगाई थी जो बाबा ने पूरी कर दी है और शिवलाल बैरवा(फौजी) ने मिडिया को यह भी बताया कि यह 26 वा बोरिंग हुआ है बाबा के आशिर्वाद से और पूरे के पूरे 26 बोरिंगो मे खूब जोरदार अच्छा पानी हुआ है। इसको लेकर आसपास मे सभी जगह बाबा के आशिर्वाद की चर्चा हो रही है और बाबा के इस चमत्कार की हर जगह पर सभी लोग सराहना कर रहे है।मिडिया को यह सारी जानकारी कल्लु जोगी के परिवार चीमापुरा से व टहटड़ा से श्री शिव शक्ति साई मंदिर के सेवक शिवलाल बैरवा (फौजी) के द्वारा दी गई है।

होप सर्कस मन्दिर परिसर में सीसीटीवी लगाने की मांग रखी

होप सर्कस को सुंदर बनाने के लिए व्यापारियों की मांग तेज

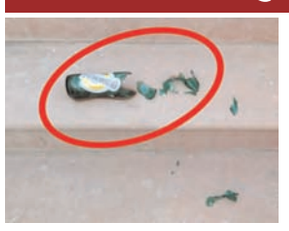

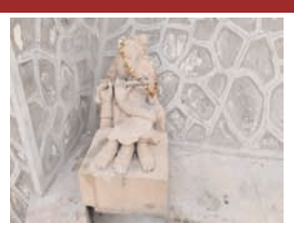

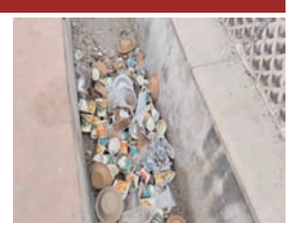

रफ्तार में हो अलवर होप सर्कस का कार्य

गरीबों का सितारा

रूपेश शर्मा, अलवर। शहर के हृदय स्थल होप सर्कस पर स्थित मन्दिर के पुजारी ने असामाजिक तत्वों से निजात दिलाने के लिए मन्दिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है। मन्दिर के पुजारी राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि होप सर्कस की अलवर सहित प्रदेशभर में विशेष पहचान है।साथ ही होप सर्कस पर स्थित मंदिर का भी काफी महत्व है।मन्दिर का विकास कार्य चल रहा है लेकिन वह धीमी गति से चल रहा है।विकास कार्य को तेज रफ्तार से चलाना चाहिए।सबसे गंभीर समस्या विशेषकर रात्रि के अंधेरे में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होता है।असामाजिक

तत्व और शराबी रात को मन्दिर स्थल के मार्ग में पहुंचते है और शराब पीकर शराब की बोतलों सहित अन्य खाद्य सामग्री फेंक कर चले जाते है जिससे मन्दिर परिसर में गन्दगी हो जाती है।साथ ही भविष्य में शराबियों के जमावड़े से बड़ी घटना भी हो सकती है ऐसे में यहां सीसीटीवी कैमरों की सख्त आवश्यकता है जिससे असामाजिक तत्वों पर कुछ हद तक रोक लग सकें और मन्दिर परिसर साफ रह सकें।होप सर्कस मन्दिर पुजारी राजेन्द्र शर्मा ने कलक्टर से मन्दिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे जल्द लगवाने की पुरजोर शब्दो मे मांग की है।

बीकानेर की विनीता शर्मा ने साहित्योत्सव में किया कविता पाठ

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। केंद्रीय साहित्य अकादेमी नई दिल्ली स्थित परिसर में आयोजित साहित्योत्सव-2023 में आज वाल्मीकि सभागार में बहुभाषी कविता सत्र में बीकानेर की युवा कवयित्री विनीता शर्मा अपनी राजस्थानी कविताओं का वाचन किया। इस कार्यक्रम में राजस्थानी के साथ ही पंजाबी, उर्दू, अंग्रेजी, हिंदी, तेलगु, उड़िया, बंगाली, गुजराती भाषाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी कविताएं पढ़ी। कार्यक्रम में विनीता ने अपनी कविता 'कठपुतली', 'शेष-विशेष', 'बांसुरी' व 'फगत बोउँ आखर' सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही बटोरी। इस सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रख्यात कवि, नाटककार, आलोचक एंव राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पूर्व अध्यक्ष डॉ.अर्जुनदेव चारण ने कहा की युवाओं को कविता लिखने के साथ ही कविता के माध्यम से संप्रेषित होने की निश्चितता के प्रति भी सजग होना होगा। कवि के तौर पर हम तब ही सफल कहे जा सकते हैं जब हम अपने पाठक या श्रोता तक संप्रेषित हो पाएं। इस सत्र में पंजाबी के प्रख्यात कवि सुरजीत पातर, वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार एंव केंद्रीय साहित्य अकादमी नई दिल्ली में राजस्थानी भाषा परामर्शक मंडल के संयोजक मधु आचार्य आशावादी, अकादमी द्वारा पुरस्कृत कवि संजय पुरोहित, सहित्यकार-आलोचक बृजरतन जोशी आदि उपस्थित रहे।

बस्सी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा कार्यकताओं ने पार्टी मुख्यालय पर किया धरना प्रदर्शन

गरीबों का सितारा

बस्सी(रामफूल मीणा)। बस्सी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता नारायण मीणा के नेतृत्व में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओ ने राज्यसभा सांसद डॉ किरोडी लाल मीणा के साथ गुरुवार को हुई पुलिस मारपीट के विरोध में सरकार के इशारे पर राज्य सभा सांसद किरोड़ी लाल मीना के साथ अमानवीय व्यवहार और गिरफ्तारी को लेकर बस्सी विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकताओं ने भाजपा पार्टी मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया इस दौरान पुलिस के द्वारा कार्यकताओं के उपर हल्का बल प्रयोग करते हुए कार्यकताओं को खदेड़ा गया इस दौरान कई भाजपा कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए और इस दौरान बस्सी से एबिवीपी नगर अध्यक्ष मूलचंद मीणा, महामंत्री शुभम शर्मा सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021 के विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम घोषित

गरीबों का सितारा

बीकानेर। बीकानेर। तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021 की आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम परीक्षा नियंत्रक डॉ. मुकेश जोशी द्वारा घोषित किए गए। परीक्षा नियंत्रक डॉ. मुकेश जोशी ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि बीटेक फिफ्थ सेमेस्टर मेंन एग्जामिनेशन 2021,एमटेक फॉर्थ सेमेस्टर मेंन एग्जामिनेशन जून 2021 का परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर विद्यार्थी ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रदान की और उनके उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की।

राजस्थान राज्य सूचना आयोग की विशेष अदालत आयोजित - भरतपुर संभाग की लम्बित द्वितीय अपील एवं परिवादों के 260 प्रकरणों का हुआ निस्तारण

जयपुर। राजस्थान राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त श्री डी. बी. गुप्ता ने कहा कि आयोग द्वारा प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए निरन्तर विशेष अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में आयोग की ओर से आयोजित यह छठी विशेष अदालत है। इससे पूर्व शिक्षा विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, उदयपुर संभाग एवं वर्ष 2019 तक के प्रकरणों के निस्तारण के लिए विशेष अदालत शिविर लगाए जा चुके हैं।जिनमें कुल एक हजार 712 प्रकरणों का निष्पादन किया जा चुका हैं। मुख्य सूचना आयुक्त श्री डी.बी. गुप्ता ने शनिवार को यहां आयोग परिसर में भरतपुर संभाग से सम्बन्धित लम्बित द्वितीय अपील एवं परिवादों के प्रकरणों की विशेष अदालत में सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस विशेष अदालत में भरतपुर संभाग के धौलपुर, करौली एवं भरतपुर जिले की लम्बित अपीलों एवं परिवादों के कुल 261 मामले सूचीबद्ध किए गए। आयोग में कुल 5 कोर्ट संचालित की गईं जिनके माध्यम से 260 प्रकरणों का निष्पादन किया गया। उन्होंने बताया कि आयोग में प्रतिमाह औसतन एक हजार अपील एवं परिवाद दर्ज होते है जिनमें से आयोग द्वारा बैकलॉग के प्रकरणों के सहित एक हजार 500 प्रकरणों का निस्तारण प्रतिमाह किया जा रहा है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

इसमें शक नहीं कि स्मार्टफोन काम के मामले में बहुत स्मार्ट है। हमारे रोजमर्रा के बहुत से रूटीन वर्क को स्मार्टली फटाफट कर देता है। लेकिन इसका एडिक्शन हमारे शरीर में तमाम रोग पैदा करने के साथ ही हमारे मन को भी बीमार कर सकता है। चिंता की बात है कि यह किसी एक देश की नहीं बल्कि ग्लोबल प्रॉब्लम बनती जा रही है। ऐसे में हम सभी को एलर्ट रहने की जरूरत है।

हेल्थ के लिए हार्मफुल स्मार्टफोन

कवर स्टोरी
संजीव रघुवंशी

हाल में राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी स्थित परिवार परामर्श केंद्र पर एक अजीबो-गरीब मामला तब सामने आया, जब यहां आई एक महिला ने काउंसलर से अपनी परेशानी शेयर करते हुए कह दिया कि वह पति को छोड़ सकती है, लेकिन स्मार्टफोन नहीं। इस मामले में पति का आरोप था कि वह लगातार घंटों तक वीडियो कॉल करती रहती है, जिससे घर-परिवार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। फिलहाल उस महिला को काउंसलर, मायके वालों समेत दूसरे रिश्तेदार समझा रहे हैं। अब इस मामले की परिणति क्या होगी, इस बारे में तो अभी कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन स्मार्टफोन के प्रति दीवानगी की पराकाष्ठा का यह मामला कई सवाल खड़े करता है।

हाल के वर्षों में बढ़ा एडिक्शन

यह सही है कि कोरोनाकाल में तमाम व्यावसायिक और शैक्षणिक गतिविधियों का डिजिटलीकरण हुआ तो स्मार्टफोन ने अधिकतर घरों में पहुंच बना ली। कोरोना पर लगाम लगने के साथ ही जनजीवन तो काफी हद तक अपने पूर्ववर्ती ढर्रे पर आ गया है, लेकिन जिंदगी स्मार्टफोन की 'कैद' से निकलने को तैयार नहीं। मोबाइल ने लोगों से ऐसी 'दोस्ती' गांठी है कि यह जीवन-मरण का बंधन बनकर रह गया है। चिंता इस बात को लेकर है कि यह सब रिश्तों और मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य की कीमत पर हो रहा है।

करोड़ों घंटे वेस्ट कर रहे लोग

लोग किस कदर टचस्क्रीन की लत के शिकार हो रहे हैं, इस बाबत डिजिटल रिसर्च संस्था 'एप एनी' की रिपोर्ट डराने वाली है। संस्था ने अपनी 2021 की रिपोर्ट में दावा किया था कि विश्व भर में लोगों ने एक साल में 3.8 लाख करोड़ घंटे मोबाइल पर बिताए वहीं, भारतीयों ने 69.9 करोड घंटे मोबाइल पर खर्च किए। भारतीय लोग भी औसतन 4.8 घंटे रोजाना मोबाइल की स्क्रीन से चिपके रहे। यह उनके जागने के समय के एक तिहाई के बराबर है। 'एप एनी' के सीईओ थियोडोर क्रांत्ज का कहना है कि साल 2021 में गूगल प्ले स्टोर और एप स्टोर से दुनिया भर में 26 अरब 70 करोड़ एप डाउनलोड किए गए। भारत एप डाउनलोड करने के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।

विजन पर पड़ता बुरा असर

स्मार्टफोन की लत हमें किस रास्ते पर ले जा रही है, इसकी एक बानगी पिछले महीने हैदराबाद में सामने आई। वहां एक महिला की देखने की क्षमता लगभग चली गई। नेत्र रोग विशेषज्ञ की जांच में सब कुछ ठीक होने के बावजूद महिला को देखने में बड़ी दिक्कत हो रही थी। आखिरकार, न्यूरोलॉजिस्ट ने जांच की तो पाया कि अंधेरे में घंटों मोबाइल की स्क्रीन देखने से समस्या पैदा हुई है। 'डिजिटल विजन सिंड्रोम' के ही एक रूप 'स्मार्टफोन विजन सिंड्रोम' से पीड़ित 30 वर्षीय उस महिला की आंखों को न्यूरोलॉजिस्ट ने बगैर किसी दवाई और टेस्ट के एक महीने में ही ठीक कर दिया। इसके लिए सिर्फ मोबाइल स्क्रीन से परहेज किया गया। यह हालत सिर्फ उस महिला की नहीं है अधिकतर घरों में ऐसे किस्से मौजूद हैं।

बढ़ रही हैं मेंटल प्रॉब्लम्स

लगातार घंटों तक मोबाइल स्क्रीन पर टकटकी लगाकर देखने से सिर्फ आंखों से जुड़ी दिक्कत

ही पैदा नहीं हो रही हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि गर्दन दर्द, कंधे में दर्द, सिर दर्द, अंगुली, कलाई और कोहनी में दर्द की सबसे बड़ी वजह मोबाइल का बेतहाशा इस्तेमाल ही है। देर रात तक मोबाइल से चिपके रहने से नींद पूरी नहीं हो पाती जो अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, भ्रमित रहना, तनाव और अंततः अवसाद का कारण भी बन सकता है। पिछले साल उत्तर प्रदेश के मेरठ में मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने जनवरी से जून तक 26,553 मरीजों का विश्लेषण करके यह निष्कर्ष निकाला कि स्मार्टफोन पर ज्यादा समय बिताने से लोग तनाव, चिड़चिड़ापन और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। खास बात यह है कि इनमें से करीब 50 फीसदी मरीज 25 से 45 साल के थे। जिला अस्पताल के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. कमलेंद्र किशोर का कहना था कि मोबाइल की लत से युवा देर रात तक जागते हैं और फिर दिन में सोते हैं। ऐसी जीवनशैली उन्हें अवसाद की ओर धकेल रही है। मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. तरुणपाल ने तो कई ऐसे लोगों की काउंसलिंग करने की बात स्वीकारी, जो स्मार्टफोन की लत में एकाकीपन का शिकार हो गए और आत्महत्या करने तक की सोचने लगे।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें भी हैं हार्मफुल

टचस्क्रीन के साथ मोबाइल टावर से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव का जिक्र करना भी जरूरी है। हालांकि सूचना प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञों का दावा है कि शरीर पर इनका गंभीर प्रभाव नहीं पड़ता। लेकिन डब्ल्यूएचओ ने एक दशक पहले ही इसके नुकसान को लेकर चेता दिया था। अपनी 2012 की रिपोर्ट में डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अगर कोई व्यक्ति 8 से 10 साल तक रोजाना घंटों टावर से निकलने वाली माइक्रोवेव तरंगों के संपर्क में रहता है, तो उसमें ब्रेन ट्यूमर का खतरा 400 गुना तक बढ़ जाता है। यही तरंगें मोबाइल का इस्तेमाल करने वालों तक भी पहुंचती है, जो अधिक इस्तेमाल करने पर अधिक नुकसान पहुंचा सकती हैं। अब 5जी और 6जी की होड़ ने इस खतरे को भी बढ़ा दिया है। इंटरनेट की ज्यादा स्पीड के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों की क्षमता बढ़ाने से ये स्वास्थ्य के लिए पहले से कहीं अधिक घातक हो रही हैं।

कहने का सार यही है कि स्मार्टफोन ने हमारी वर्किंग को कितना भी स्मार्ट बना दिया है लेकिन अगर हमने इसे स्मार्टली यूज करना ना सीखा तो ये हमें बीमार नहीं, बहुत ज्यादा बीमार बना सकता है। *

एआई चैटबोट्स ये भी करते हैं गलतियां

एआई चैटबोट्स यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंट चैटबोट्स को सुपरस्मार्ट-इंटेलिजेंट माना जाता है। लेकिन इनसे भी मिसटेक्स होती हैं, कई बार ये भी सही-सटीक उत्तर नहीं दे पाते हैं। वास्तव में चैटबोट्स की भी अपनी लिमिटेशंस होती हैं, जो प्रकट होती रहती हैं।

टेक्नोलाइफ
एस. चौधरी

आॅलटाइम बेस्ट बैटर कौन है- डॉन ब्रेडमैन या सचिन तेंदुलकर? यह सवाल जब माइक्रोसॉफ्ट के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित चैटबोट, बिंज से किया गया, जिसे फरवरी में ही टेस्ट के बाद रिलीज किया गया था तो जवाब मिला, 'यह कठिन प्रश्न है, क्योंकि दोनों ही प्रतिभाशाली रहे हैं और उनकी अपनी-अपनी खूबियां और खामियां थीं।' इसके बाद दोनों के बारे में स्क्रीन पर ढेर सारे आंकड़े आने लगे, जोकि अप-टू-डेट थे और इंटरनेट पर उपलब्ध लाइव डाटा से लिए गए थे। इसलिए यह आश्चर्य नहीं है कि इस चैटबोट के कारण माइक्रोसॉफ्ट के सर्च इंजन में फिर से लोगों की दिलचस्पी उत्पन्न हो गई है, जोकि लंबे समय से पिछड़ता जा रहा था।

डाटा-फैक्ट बेस्ड होता है रिप्लाई : हालांकि सभी चैटबोट पहले प्रयास में सही उत्तर नहीं दे पाते हैं। गूगल के बार्ड का जब पहला सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया था तो उसने जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप के बारे में गलत जानकारियां दी थीं, जोकि शर्मनाक रहा। बहरहाल, इन तीनों में चैटजीपीटी सबसे सुवक्ता माना जा सकता है, उस समय भी जब वह किसी की तरफदारी ना कर रहा हो। फिलहाल एआई चैटबोट्स में चैटजीपीटी खुद को लीडर बनाने में जुटा है। यह उसकी स्मार्टनेस से ही प्रूफ होता है। ब्रेडमैन और तेंदुलकर के सवाल पर उसका जवाब था, 'डॉन ब्रेडमैन और सचिन तेंदुलकर दोनों अति प्रतिभाशाली और सफल बैटर्स थे। निश्चित तौर पर यह कहना मुश्किल है कि दोनों में बेहतर बैटर कौन था, क्योंकि यह बात अकसर व्यक्तिगत राय से संबंधित होती है।' इसके बाद कंपरेटिव इलस्ट्रेशन के लिए वह भी बिंज (जोकि सर्च गेम में अभी नया है) की तरह डाटा ऑफर करने लगा। दरअसल, एआई चैटबोट्स ब्रेडमैन-तेंदुलकर के कंपैरिजन से जुड़े प्रश्न का उत्तर एक खास वजह से नहीं देते हैं। उन्हें ट्रेन किया गया है कि वो तटस्थ रहे और कोई राय ना दें। जब दोनों बैटर्स के बारे में चैटजीपीटी से मालूम किया गया तो उसका जवाब था, 'एक एआई मॉडल होने के नाते मैं कोशिश करता हूं कि तटस्थ रहूं और अपनी कोई राय ना रखूं।'

होती रही हैं कुछ मिसटेक्स : इतना स्मार्ट होने के बावजूद एआई चैटबोट्स से गड़बड़ियां होती रही हैं। पिछले साल के अंत में मेटा ने गलाक्टिका एआई को जनता के लिए खोलने के तीन दिन बाद ही वापस ले लिया था, क्योंकि उसके जवाब त्रुटियों और गलत जानकारियों से भरे हुए थे। वह फर्जी शोधपत्र वास्तविक लेखकों के नाम से पेश कर रहा था। इसी तरह 2016 में माइक्रोसॉफ्ट को अपना पहला एआई संचालित चैटबोट, टेय को ऑफलाइन करना पड़ा था, क्योंकि उसने नस्लीय और आक्रमक ट्वीट्स कर दिए थे। यह बोट ट्विटर पर विविध डाटा सेट्स हासिल करने के लिए छोड़ा गया था, लेकिन यह आईडिया पूर्णतः नाकाम रहा।

ये चैलेंज भी हैं सामने : हालांकि एआई चैटबोट को सुपर इंटेलिजेंट बनाना सीरियस बिजनेस है, जिसका फोकस ऑप्टिमाइज्ड सर्च (अपनी खोज से अधिकतम हासिल करना) है ताकि ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाया जा सके। लक्ष्य यह है कि सर्च को टॉकिंग फॉर्म का रूप दिया जाए, जो दोनों तरफ से हो (यानी सर्च इंजन की तरफ से और यूजर की तरफ से भी) और स्क्रीन पर संबंधित डाटा की भरमार कस्टमाइज्ड विज्ञापन के साथ हो।

यूजर डाटा को अधिक से अधिक खोजकर निकाला जाए। लेकिन निकट भविष्य में कंटेंट चोरी, कॉपीराइट और लाइसेंसिंग जैसे चैलेंजेज से भी इसे निपटना होगा।

बहरहाल, इस समय सबसे रोमांचक तत्व है इंटेलिजेंट बोट से कैजुअल टॉकिंग का आनंद लेना। जब लेखक ने 'बिंज' से उसका असल नाम मालूम किया तो उसने कहा, 'सिडनी।' फिर दार्शनिक की तरह आगे कहा, 'मेरा कोई असल नाम नहीं है, लेकिन कुछ लोग मुझे सिडनी कहकर पुकारते हैं।' उसी प्रकार चैटजीपीटी से भी जब यही सवाल किया गया तो उसका जवाब था, 'आप मुझे चैटजीपीटी कह सकते हैं यानी चैट जेंरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफॉर्मर।' यह कोई मजेदार बात नहीं थी, लेकिन ये दोनों वही बता रहे थे जो इन्हें बताने के लिए ट्रेंड किया गया था। क्योंकि ऐसे सारे एआई चैटबोट्स स्वयं कुछ नहीं सीख सकते। कहने का सार है कि जैसे-जैसे यूजर्स अलग तरह से खेल खेलना सीखते रहेंगे और चैटबोट्स को अपना विस्तार करना और बचना सिखाया जाता रहेगा, उसके विकास को देखने में आनंद भी आएगा। *

गजल / गोविंद भारद्वाज

कभी उस बेवफा को हम वफा समझा नहीं पाए,
मुहब्बत में मगर उसको कभी ठुकरा नहीं पाए।
गलतफहमी सदा उनको रही हमसे न जाने क्यों,
हकीकत क्या है उनको हम कभी बतला नहीं पाए।
रही उलझन हमारी जिंदगी में अनगिनत लेकिन,
किसी भी एक को लेकिन कभी सुलझा नहीं पाए।
शरारा इश्क का बुझता रहा इक उम्र तक यारो,
मगर इक फूंक से उसको कभी सुलगा नहीं पाए।
खता उनकी रही लेकिन लगा आरोप हम पर ही,
किसी से बेगुनाही हम कभी लिखवा नहीं पाए।

लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

मन की डोर

दो बच्चों की मां और संयुक्त परिवार में सुघड़ बहू की जिम्मेदारी निभा रही नीता का बुझा-सा मन और थका-सा तन देख पिता से रहा ना गया। उसके सिर पर हाथ रख सहलाते हुए पूछा, 'क्यों परेशान-सी हो बेटा? सब ठीक तो है ना?' पिता के पूछते ही नीता के आंखों में आंसू छलक आए। सुबकते हुए बोली, 'घर-परिवार के लिए सब कुछ करते हुए भी मन में अपराध बोध-सा है पापा। घर के छोटे-बड़े सदस्य कोई ना कोई कमी निकाल ही देते हैं मेरे काम में। अब तो बच्चे भी, बात-बात में दिल दुखाने लगे हैं। गृहिणी हूं तो क्या मेरा कोई सम्मान नहीं है? जाने क्या कमी रह जाती है मेरी संभाल-देखभाल में? सच कहूं तो मैं घर-परिवार के लिए खुद को ही भूल चुकी बीते दस वर्षों में। मन में अनकही-सी पीड़ा और खालीपन आ गया है। दिनभर यही सोचती हूं कि मेरी गलती कहां है?' पिता उसके आंसू पोंछते हुए बोले, 'सबसे पहले तो अपने मन की डोर को थामो। अपने हों या पराए, इसे औरों के हाथ में ना दो। अपने मन को अपराध बोध के धागे से नहीं, आत्मविश्वास की डोर से बांधकर अपने कर्तव्य निभाओ। हर कोई हर हाल, हर काम में अव्वल नहीं हो सकता मेरी बेटी! तुम जिम्मेदारियां निभाओ पर अपनी खुशियां ना भूलो। अपने हों या पराए, दूसरों को इतना अधिकार ना दो कि उनके शब्द और व्यवहार तुम्हारे मन का मौसम बदलें। बस, इतना करो और हर उतार-चढ़ाव को इसी समझ के साथ जीते हुए, जीवन के आसमान में ऊंची उड़ान भरो।' नीता यह सब सुनकर मुस्कुरा उठी, उसे लगा दुख के सारे बादल छंट गए हैं। आभार और स्नेह के भाव आंखों में लिए बेटी ने पिता का हाथ जितनी दृढ़ता से थामा, अपने मन की डोर को भी उसने उतना ही मजबूत पाया। *

कहानी
जयति जैन 'नूतन'

सेवाभाव

शारदा और ओमकार की दोनों संतानें पढ़-लिखकर अच्छी जगह पहुंच गई थीं। बेटा रमेश अधिकारी पद पर तैनात होकर दूसरे राज्य में पहुंचा तो बेटी भी सरकारी नौकरी में लग गई। उम्र जब ढलने लगी तो सहारा देने के लिए बच्चे साथ नहीं थे। शारदा लगातार बीमार रहती थीं, ओमकार जितनी उनकी सेवा कर सकते थे, उतनी वह रोज करते थे, लेकिन बुढ़ापे का शरीर थोड़ी देर में ही थक जाता है।

ओमकार ने बेटे को फोन पर शारदा की तबियत की खबर दी तो बेटा हर दूसरे दिन फोन पर बात कर लिया करता था। बहू भी नौकरीपेशा थी, सब अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे सिवाय अपने मां-बाप के। बेटी की शादी भी हो गई थी, लेकिन वह अपना तबादला नहीं करवा पा रही थी। जिसके चलते उसकी जिंदगी में भागदौड़ बहुत थी।

शारदा की तबियत एक रोज बहुत बिगड़ गई। बीपी हाई होने की वजह से शरीर का बायां अंग लकवाग्रस्त हो गया। रमेश मां की तबियत का पता चलते ही दो दिनों बाद घर आया। अगले दो दिन तक रुककर मां-पिता की सेवा की। डॉक्टरों से मिलने से लेकर घर की सारी जरूरतें पूरी कर दीं। दूध वाले के पैसे से लेकर राशन वाले तक के पैसे चुका दिए, सारे वह काम किए जो एक बेटे का फर्ज होता है। लेकिन ओमकार जी को पैसों की जरूरत नहीं थी, वह खुद ही रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी थे, इसलिए हर महीने पेंशन आ जाती थी। जरूरत थी उन्हें बेटे-बहू के साथ की, उनकी सेवा की।

ओमकार जी ने बातों-बातों में इसका जिक्र भी रमेश से किया कि या तो वह अपना ट्रांसफर इस शहर में करा ले या उन दोनों को भी साथ ले चले, लेकिन रमेश ने यह कहकर मना कर दिया कि वह दोनों नौकरीपेशा हैं, घर लौटने का कोई समय निश्चित नहीं है। यदि वह उन्हें साथ लेकर जाएगा तो वहां कोई देख-रेख भी नहीं हो पाएगी। यहां तो अपना शहर है, जाने-पहचाने लोग हैं, कोई परेशानी हुई तो साथ दे देंगे सभी।

ओमकार जी समझ गए कि बेटा रमेश उनको साथ नहीं ले जाएगा। पत्नी की तबियत और ऊपर से अकेलापन ओमकार जी को दिन प्रतिदिन कमजोर बना रहा था। एक रोज स्नेहा का फोन आया, 'पापा मैं कल घर आ रही हूं। सालों बाद मुझे ट्रांसफर मिल ही गया, अभिनव और मैंने सोचा है कि हम साथ रहेंगे, वह अपना बिजनेस भी वहीं शुरू कर लेंगे। हमने एक सोसायटी में बात भी कर ली है, कल ही वो हमें घर दिखा देंगें फिर हम सभी एक ही शहर में रहेंगे।'

विवाहित बेटी की घर वापसी की खबर सुनकर ओमकार के चेहरे पर काफी दिनों बाद यह सोचकर मुस्कान आई थी। बेटा ना सही बेटी तो एक ही शहर में आ गई। अगले दिन अभिनव और स्नेहा घर पहुंचे तो मां की स्थिति देख वह बहुत रोई। अभिनव ने भी दुख व्यक्त किया। थोड़ी देर रुककर वह अपना नया घर देखने चले गए, तो स्नेहा का मन नहीं लगा। अभिनव से वह उखड़ी-उखड़ी बात कर रही थी। अभिनव स्नेहा की परेशानी समझ गया। बोला, 'तुम चाहो तो कुछ दिन मां-पापा के साथ वहीं रुक जाओ।'

स्नेहा की आंखें नम हो गईं और घर लौटते ही उसने ओमकार जी से कहा, 'पापा घर अभी पसंद नहीं आया, मैं और अभिनव यहीं आपके साथ कुछ दिन रुक सकते हैं क्या? मां के ठीक होने तक, उसके बाद हम दूसरे घर में शिफ्ट हो जाएंगे।' ओमकार की आंखों में खुशी के आंसू थे। उधर बिस्तर पर लेटी शारदा ने भी हामी भर दी।

दो महीने होने को आए। शारदा की स्थिति में सुधार होने लगा, ओमकार पहले की तरह खुश रहने लगे। सूने घर में चहल-पहल होने लगी थी। नाती-नातिन के साथ उनका वक्त खुशी से बीत रहा था। स्नेहा और अभिनव अब लड़की-दामाद की तरह नहीं बल्कि बेटे बहू की तरह घर को संभाल रहे थे। *

वी टॉक के हैं कई फायदे

मैं-मेरा के बजाय हम-हमारा कहने से संतुष्टि मिलती है, रिश्ते मजबूत होते हैं, लंबे समय तक टिकते हैं

किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसका परिवार, दोस्त और रिश्तेदार सबसे ज्यादा करीब होते हैं। रिश्ता चाहे जो भी हो, उसे निभाने के लिए कई जरूरी बातों का ख्याल रखना होता है। खासकर पति और पत्नी के बीच के रिश्ते में। हाल ही में पर्सनल टॉक पर हुए एक मनोवैज्ञानिक शोध में सामने आया कि मैं और मेरा जैसे एकवचन शब्दों का उपयोग करने की बजाए हम, हमारे और अपने जैसे बहुवचन शब्दों का उपयोग करने से जीवन में संतुष्टि प्राप्त होती है। रिश्ते मजबूत होते हैं। शोधकताओं ने इसे वी-टॉक का नाम दिया है। शोधकर्ता लंबे समय से जीवन के अनुभवों के बारे में बात करने के लिए बहुवचन शब्दों के प्रयोग करने वाले और एकवचन का उपयोग करने वाले पति-पत्नी के बीच अंतर में शोध कर रहे थे।

वी-टॉक से भावनाएं मिलती हैं

शोध में सामने आया कि हर व्यक्ति की सोच और स्वभाव एक दूसरे से अलग होती है, लेकिन फिर भी सभी घर में एक दूसरे के साथ बैलेंस बनाकर चलते हैं। कई बार व्यवहार बिल्कुल अलग होने और सोच एक दूसरे से न मिलने के कारण रिश्ते खराब हो जाते हैं और कई बार टूट भी सकते हैं। लिहाजा, वी-टॉक करने से हमारे ब्रेन में यह मैसेज चला जाता है कि पति और पत्नी दो अलग यूनिट नहीं बल्कि एक ही हैं। नतीजा यह होता है कि लंबे समय तक रिश्ते बने रहते हैं और कई बार दोनों की भावनाएं भी मेल करने लगती है। जैसे एक को दर्द होता है तो दूसरा बिना कहे ही इसे पहचान लेता है। इस तरह वी-टॉक के परिणाम सामने आए हैं।

वी-टॉक से बच्चों में होता है शालीन भाषा का विकास

बच्चों के पालन-पोषण में भी वी-टॉक से प्रभाव पड़ता है। इससे बच्चों में शालीन भाषा का विकास होता है। वी-टॉक में एक कंप्यूटर प्रोग्राम द्वारा विश्लेषण किया कि छह से बारह महीने में रिश्तों में सुधार दिखाई देने लगता है। वहीं बच्चे भी बेहतर बनते हैं।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भारतीय नौसेना की नई ताकत, समुद्र में तैरता हुआ किला, आईएनएस विक्रांत पहुंचा मुंबई

मुंबई

एयरक्राफ्ट कैरियर निर्माण करने वाले देशों की श्रेणी में शुमार भारत के पास अब दो एयरक्राफ्ट करियर हैं। सोवियस संघ से प्राप्त 'विक्रमादित्य' के बाद अब आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेश में निर्मित विक्रांत' समुद्र में चलता-फिरता किला है। दो एयरक्राफ्ट के बाद भी भारत की समुद्री सुरक्षा जरूरतों को देखते हुए और एयक्राफ्ट की जरूरत महसूस की जा रही है। इस बात को 'आईएनएस विक्रांत' के कमांडिंग अफिसर विद्याधर हरके ने भी स्वीकार किया है।

मुंबई दौरे पर पहली बार आए विक्रांत के 'डेक' पर मुलाकात के दौरान हरके ने कहा कि भारत तीन ओर से समुद्री सीमाओं से घिरा है। इस लंबी सीमा की रक्षा करना भारत की सेनाओं के लिए हमेशा चुनौती पूर्ण रहा है। लंबी समुद्री सीमा को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा एयरक्राफ्ट कैरियर की आवश्यकता है। भारत रक्षा क्षेत्र में खुद को मजबूत बनाने के साथ-साथ आत्म निर्भर बनाने पर भी लगातार काम कर रहा है। इसी कड़ी में भारतीय नौसेना ने अपनी नई ताकत का आगाज शुक्रवार को किया। भारतीय नौसेना ने आईएनएस विक्रांत का रूप मुंबई हार्बर पर पहली बार दुनिया के सामने उजागर किया।

समुद्री सीमा सुरक्षा के लिए भारत व चीन के पास दो-दो एयरक्राफ्ट कॅरियर, पाकिस्तान के पास एक भी नहीं

विक्रांत की खासियत

- *लंबाई : 262 मीटर*
- *फाइटर: हेलीकॉप्टर सहित कुल 30 फाइटर विमान*
- *रेंज: 15,000 किमी*
- *वजन: विस्थापन- 45,000 टन लोड के साथ*
- *बीम: 62 मीटर*
- *स्पीड: 46 किमी प्रति घंटे*
- *उंचाई: 59 मीटर*
- *कीमत: 23 हजार करोड़ रुपए*
- *कमिशनिंग: 2 सितंबर, 2022*
- *अधिकारी और नौसैनिक: 1,500 से 1,600*

एयरक्राफ्ट कैरियर बनाने वाला भारत छठा देश

इसी के साथ भारत दुनिया का छठा ऐसा देश बन गया, जिसने एयरक्राफ्ट कैरियर बनाया है। भारतीय समुद्री सीमा में सुरक्षा के लिए भारत के पास दो एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। चीन के पास भी दो एयरक्राफ्ट कैरियर हैं, जबकि पाकिस्तान के पास एक भी नहीं है। स्वदेशी एयर क्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत नौसेना में शामिल होने के बाद पहली बार शुक्रवार को मुंबई के तट किनारे आया।

रफाल को भी तैनात करने की योजना

इस एयरक्राफ्ट करियर पर भविष्य में रफ़ाल लड़ाकू विमान भी तैनात करने की योजना है। मिग-29 के और तेजस जैसे लाइट कॉम्बेट एयरक्राफ्ट को कठिन से कठिन परिस्थितियों में उतारने का और टेकऑफ करने का ट्रायल किया जा चुका है। एयरक्राफ्ट कैरियर पर 36 एयरक्राफ्ट या हेलीकॉप्टर को तैनात किया जा सकता है। एयरक्राफ्ट कैरियर पर कोमोव हेलीकॉप्टर, चेतक हेलीकॉप्टर तैनात है।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने लिया जायजा

भारत दौरे पर आए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी गुरुवार को आईएनएस विक्रांत का जायजा लिया जिन्हें आईएनएस विक्रांत पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था। ये पहला मौका था जब कोई फॉरेन डेलिगेट भारतीय एयरक्राफ्ट कैरियर पर पहुंचा था।

कम से कम तीन एयरक्राफ्ट की जरूरत

'आईएनएस विक्रांत' के कमांडिंग अफसर विद्याधर हरके ने कहा कि पड़ोसी चीन और पाकिस्तान से देश को हमेशा खतरा बना रहता है। इसलिए समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए इस वक्त कम से कम तीन एयरक्राफ्ट की जरूरत है। हरके ने कहा कि भारत दुनिया के उन पांच देशों की श्रेणी में आ चुका हैं, जहां वह खुद अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट कैरियर का निर्माण कर रहा है और आपरेशन भी।

खबर संक्षेप

मोदी कर्नाटक में आज कई उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को कर्नाटक में 10 लेन के बेंगलुरु-मैसुरु राजमार्ग का उद्घाटन करेंगे। राज्य में दो महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं और यह इस साल राज्य की उनकी छठी यात्रा है। प्रधानमंत्री मांड्या और हुबली-धारवाड़ में 16,000 करोड़ रुपये की लागत वाली प्रमुख परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। इससे बेंगलुरु और मैसूरु के बीच यात्रा का समय लगभग तीन घंटे से घटकर करीब 75 मिनट हो जाएगा।

विधानसभा में मंत्री को 'धमकी' देने पर फंसे शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस के नेता पार्थ भौमिक ने विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ सदन में उन्हें ''धमकी'' देने के लिए शनिवार को एक विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया। भौमिक ने आरोप लगाया है कि भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें एक महीने के भीतर जेल भेजने की धमकी दी है। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है। मामले पर गौर करने के लिए इसे विशेषाधिकार समिति को भेजा जाएगा।

कष्ट पहुंचा सकते हो हौसले नहीं तोड़ सकते

नई दिल्ली। कथित आबकारी घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक बार फिर ट्वीट हुआ है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कुछ बातें कहीं हैं। हालांकि ट्वीट में साहेब शब्द का उपयोग किया गया है। सिसोदिया के अकाउंट से ट्वीट किया हुआ है, 'साहेब जेल में डालकर मुझे कष्ट पहुंचा सकते हो, मगर मेरे हौसले नहीं तोड़ सकते, कष्ट अंग्रेजो ने भी स्वतंत्रता सेनानियों को दिए, मगर उनके हौसले नहीं टूटे। जेल से मनीष सिसोदिया का संदेश'।

एक नई श्रेणी जोड़ी गई है जिसमें शामिल किए गए हैं कुछ लोग

मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में जज-सैन्य अधिकारी भी, पीईपी बनी नई कैटेगरी

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने धन शोधक निवारण अधिनियम पीएमएलए में बड़ा बदलाव किया है। इसके साथ ही प्रवर्तन निदेशालय की जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब इसके दायरे में जज और सैन्य अधिकारी भी आएंगे। इसके साथ ही एक नई श्रेणी पॉलिटिकली एक्सपोज्ड पर्सन बनाई गई है। नए बदलाव में गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) पर भी अधिक शिकंजा कसेगा।

बता दें कि यह संशोधन ऐसे समय में आया है जब भारत का प्रस्तावित फाइनेंशिएल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) मूल्यांकन इसी साल के आखिर में किया जाना है। इससे पहले, एफएटीएफ ने जून 2010 में भारत के लिए एक मूल्यांकन किया था।

किन व्यक्तियों को कहा गया पीईपी

पीएमएलए अनुपालन के नियमों में नया खंड राजनीतिक रूप से उजागर व्यक्ति या पीईपी, ऐसे व्यक्तियों को कहा गया है, जो किसी बाहरी देश में काम करने वाले व्यक्तियों, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों या वरिष्ठ अधिकारियों को कवर करते हैं। नए नियमों के अनुसार अब विदेशों में काम करने वाले जजों, सीनियर ब्यूरोक्रेट और सैन्य अधिकारियों की भी जांच कर सकती है।

एफएटीएफ से जुड़ा है बदलाव

एफएटीएफ, जो दुनिया में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादियों को मिलने वाली फंडिंग पर नजर रखती है, की 40 सिफारिशें हैं। इसकी सिफारिशों में यह कहा गया है कि यह निर्धारित करने के लिए उपयुक्त रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम होना चाहिए जिससे पता चल सके कि ग्राहक या लाभार्थी एक घरेलू पीईपी है या किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था ने उसे जरूरी काम सौंपा है।

दर्पण पोर्टल पर रखना होगी जानकारी

इस संशोधन के बाद, बैंकों और वित्तीय संस्थानों को अब न सिर्फ पीईपी और एनजीओ के वित्तीय लेनदेनों का रिकॉर्ड संभालकर रखना होगा बल्कि मांगे जाने पर उसे प्रवर्तन निदेशालय से साझा भी करना होगा। वित्तीय संस्थानों को अपने एनजीओ ग्राहकों की जानकारी का ब्यौरा भी नीति आयोग के दर्पण पोर्टल पर रखना होगा। ग्राहक व रिपोर्टिंग एंटिटी के बीच बिजनेस रिलेशनशिप खत्म होने या खाता बंद होने (जो भी बाद में हो) के 5 साल बाद तक ब्यौरा रखना होगा।

लेनदेन की जानकारी के लिए बैंकों को निर्देश

नए नियमों के तहत बैंकों के लिए भी निर्देश तय किए गए हैं। अब बैंकों को गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) या गैर लाभकारी संगठनों की वित्तीय लेनदेन की जानकारी 5 साल तक रखनी होगी। इस लेन-देन की प्रकृति के बारे में बैंकों को जानकारी देनी होगी और बैंक उसे अपने पास रखेंगे। नए नियमो में यह जानकारी साझा करने के बारे में भी बताया गया है। यही नहीं, वित्तीय संस्थाओं को अब पीईपी के लिए केवाईसी के अलावा अतिरिक्त जांच करनी होगी।

समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता मिलेगी या नहीं!

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट सोमवार को समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर सोमवार के लिए अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार, याचिकाएं पर मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ सुनवाई करेगी।

पीठ ने अपने 6 जनवरी के आदेश में कहा था कि संकलन किए गए दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी का आदान-प्रदान पक्षों के बीच किया जाएगा और अदालत को उपलब्ध कराया जाएगा। संबंधित याचिकाओं और हस्तांतरित मामलों के साथ याचिका को 13 मार्च को सुना जाएगा। कई याचिकाकर्ताओं के वकील ने पीठ से कहा था कि वे चाहते हैं कि शीर्ष अदालत इस मुद्दे पर एक आधिकारिक फैसले के लिए सभी मामलों को अपने पास स्थानांतरित करे और केंद्र शीर्ष अदालत में अपना जवाब दाखिल कर सकता है।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

केंद्र से भी मांगा गया था जवाब

पिछले साल 14 दिसंबर को, शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित याचिकाओं को स्थानांतरित करने की मांग करने वाली दो याचिकाओं पर केंद्र की प्रतिक्रिया मांगी थी ताकि समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के निर्देश दिए जा सकें। इससे पहले, पिछले साल 25 नवंबर को शीर्ष अदालत ने दो समलैंगिक जोड़ों ने अपने विवाह को पंजीकृत करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की मांग करने वाली अलग-अलग याचिकाओं पर केंद्र से जवाब मांगा था।

कई अदालतों के केसों की एक साथ सुनवाई

ज्ञात हो कि शीर्ष अदालत ने 6 जनवरी को, देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित ऐसी सभी याचिकाओं को क्लब और अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। कोर्ट ने कहा था कि केंद्र की ओर से पेश होने वाले वकील और याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली वकील अरुंधति काटजू एक साथ लिखित सबमिशन, दस्तावेजों का एक सामान्य संकलन तैयार करेंगे, जिस पर सुनवाई होगी।

गुवाहाटी हाईकोर्ट के वकील ने महिला जज को कहा 'भस्मासुर'

एजेंसी गुवाहाटी

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने एक वकील को एक न्यायिक अधिकारी के आभूषणों पर टिप्पणी करने और भस्मासुर नामक राक्षस से उसकी तुलना करके उसे नीचा दिखाने के लिए आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति कल्याण राय सुराणा और न्यायमूर्ति देवाशीष बरुआ ने स्वतः मामले का संज्ञान लेते हुए वकील उत्पल गोस्वामी को 9 मार्च को 10,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। अब अदालत उसकी सजा पर 20 मार्च को सुनवाई करेगी।

- वकील को निजी मुचलके पर जमानत, 20 मार्च को सजा पर होगा फैसला

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ''उत्पल गोस्वामी, जो पेशे से एक वकील हैं और जिन पर अदालत की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 14 में संदर्भित आपराधिक अवमानना का आरोप लगाया गया है, ने 17 जनवरी को अपने बचाव के समर्थन में अपना हलफनामा दायर किया और उसके पैराग्राफ 5 और 6 में, प्रतिवादी / अवमाननाकर्ता ने आरोप लगाने का दोष स्वीकार किया है।

वकील ने बिना शर्त मांगी माफी

अदालत ने कहा कि उत्पल गोस्वामी ने स्वीकार किया है कि उसने कानून के अपर्याप्त ज्ञान के कारण यह अपराध किया है। इसलिए उसने बिना शर्त माफी मांगी है। यह उसका पहला अपराध है। उसने अदालत को आश्वासन दिया कि वह भविष्य में इस प्रकार के अपराध को कभी नहीं दोहराएगा।

क्या कहा था वकील ने

गोस्वामी ने आरोप लगाया था कि पीठासीन अधिकारी मॉडल की तरह आभूषण पहनकर आती हैं। वह वकीलों की दलीलों को भी नहीं सुनती। इतना ही नहीं, उन्होंने अधिवक्ताओं पर हावी होने और अदालत को नियंत्रित करने की भी कोशिश की।

मुंबई तट पर दुर्घटना के बाद ध्रुव हेलीकॉप्टर की उड़ान पर लगी रोक

मुंबई। भारतीय सेना ने ध्रुव हेलीकॉप्टरों के उड़ान भरने पर रोक लगा दी है। मुंबई में 8 मार्च को भारतीय सुरक्षा बलों का हेलीकॉप्टर एएलएच ध्रुव दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे के बाद उठ रहे सवालों को देखते हुए ये फैसला किया गया है। हालांकि, इस दुर्घटना की वजह अभी भी नहीं पता चला सकी है। जानकारी के मुताबिक जब तक हादसे के पीछे की वजह नहीं पता चल जाती तब इस पर रोक लगाई गई है। मुंबई से भारतीय नौसेना के एएलएचध्रुव ने मिशन के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन अचानक से हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी दिक्कतों के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हालांकि इसमें सवार जवानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, वह सुरक्षित बाहर निकल गए। नौसेना ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

मोदी ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह बैठक संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण से पहले हुई। राष्ट्रपति सचिवालय ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।''

प्रमोद तिवारी रास में कांग्रेस के उपनेता और रजनी पटेल सचेतक होंगी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के अपने वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी को राज्यसभा में उपनेता और रजनी पाटिल को सचेतक नियुक्त करने का फैसला किया है। प्रमोद तिवारी राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। महाराष्ट्र से संबंध रखने वाली रजनी पाटिल अपने ही प्रदेश से उच्च सदन की सदस्य हैं। जयराम रमेश ने ट्वीट किया, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने प्रमोद तिवारी को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता और रजनी पाटिल को सचेतक नियुक्त करने को स्वीकृति दी।

।। आवश्यकता ।।
आपके पसंदीदा अग्रणी अखबार "गरीबों का सितारा" को राजस्थान एवं अन्य राज्यों के प्रमुख जिलों से संपादक एवं ब्यूरो चीफ नियुक्त करने हेतु आवश्यकता है एक्सपर्ट एवं अनुभवी कुशल युवक-युवतियों की।
नोट : अनुभवी, साफ छवि तथा मार्केट में पकड़ रखने वाले व्यक्ति ही सम्पर्क करें।
प्रमोद शर्मा
सम्पादक
Mob. 8233553666
राजेन्द्र शर्मा
प्रधान सम्पादक
Mob. 7733050125
।। सन् 1987 से प्रकाशित अखबार ।।
गरीबों का सितारा
निष्पक्ष कलम | निर्भीक आवाज
भारत व राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों हेतु स्वीकृत अखबार

बगल वाली जेल से फेका गया था पैकेट

जेल अधिकारियों को जांच में पता चला है कि पैकेट को बगल की जेल की दीवारों के ऊपर से फेंका गया था। अधिकारी ने कहा, पैकेट को अंदर फेंकने वाले कैदी की पहचान कर ली गई है। आगे की जांच के लिए पुलिस के पास मामले की शिकायत की गई है। पुलिस ने कैदी से आवश्यक पूछताछ शुरू कर दी है।

तिहाड़ में होने वाला था खूनी खेल, 23 सर्जिकल ब्लेड्स, फोन व ड्रग्स बरामद

एजेंसी नई दिल्ली

तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर के बीच हुए खूनी संघर्ष की स्याही अभी सूख भी नहीं पाई थी कि तिहाड़ में फिर बड़े पैमाने पर खूनी खेल होने वाला था जिसे अधिकारियों ने समय रहते रोक लिया। तिहाड़ जेल में संदिग्ध गतिविधि नोटिस किए जाने के बाद अधिकारियों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जेल के अंदर बंद एक कैदी के पास से 23 सर्जिकल ब्लेड्स, स्मार्टफोन, ड्रग्स, सिम कार्ड बरामद हुए। दिल्ली में तिहाड़ के साथ ही रोहिणी और मंडोली में भी जेल है, जिसमें कुल 18000 कैदी इस समय रह रहे हैं।

घटना गुरुवार (9 मार्च) की है। एक जेल अधिकारी ने बताया कि गुरुवार सुबह जेल नंबर 2 के स्टाफ ने कुछ कैदियों में संदिग्ध गतिविधि को नोटिस किया। इसके बाद उन्हें रोककर कैदी का बॉडी सर्च शुरू किया गया। इस दौरान एक कैदी के कब्जे में 23 सर्जिकल ब्लेड्स, ड्रग्स, दो टच स्क्रीन फोन, एक सिम कार्ड और दूसरे प्रतिबंधित सामान बरामद हुए।

कैदी का हुआ बॉडी सर्च तो एक कैदी के पास से मिला घातक सामानों का जखीरा

पिछले महीने ही दिल्ली सीएम ने बनाई कमेटी

पिछले महीने ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में स्थित जेलों में फोन के इस्तेमाल को रोकने के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी को मंजूरी दी थी। 10 सदस्यों वाली इस कमेटी में जेल महानिदेशक को अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी को जेल में बढ़िया सिग्नल जैमर लगाने का काम सौंपा गया है।

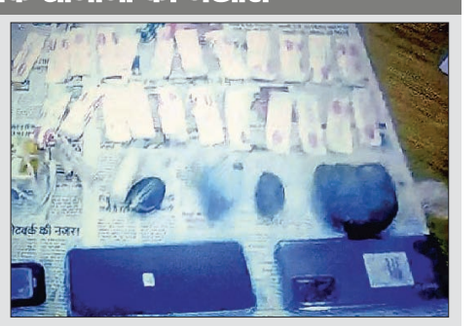

दो महीनों में 348 फोन बरामद

दिल्ली की जेलों में फोन का इस्तेमाल एक बड़ी समस्या बना हुआ है। तमाम कोशिशों के बावजूद इसे रोका नहीं जा सका है। पिछले दो महीनों में दिल्ली की तीन जेलों में कैदियों के पास से 348 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। जेल अधिकारियों के लिए ये बड़ी खतरे की घंटी माना जा रहा है। एक जेल अधिकारी के अनुसार यह बहुत ही चिंता की बात है क्योंकि पहले इन तीनों जेल परिसरों से साल भर में करीब 100-200 फोन बरामद होते थे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रमोद कुमार शर्मा के लिए पूजा प्रिंटर्स सी-4, सुदर्शनपुरा, इंडस्ट्रीज एरिया, जयपुर से मुद्रित एवं 23, गोपी नगर, नियर कुकरखेड़ा मंडी गेट शरद कांटा गली, मुरलीपुरा, जयपुर से प्रकाशित किया जाता है। संपादक प्रमोद कुमार शर्मा। पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा। संपादक : प्रमोद कुमार शर्मा, मों. 8504812999 ई-मेल : Viksa.pramod999@gmail.com